मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 21 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 3 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 130 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 किशनगंज में प्रस्तावित सैन्य छावनी के मायने

बॉडर 2 से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे आहान शेट्टी ... 6

ऐतिहासिक संरचनाओं को संरक्षित करते हुए विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का प्रस्ताव

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड प्रतिनिधिमंडल यूनाइटेड किंगडम दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों और विशेषज्ञ समूहों के साथ आयोजित बैठक में शामिल हुआ। आयोजित सभी बैठकों का मूल विषय झारखंड की प्राचीन मेगालिथ, मोनोलिथ विरासत का संरक्षण, पुनर्स्थापन वैज्ञानिक प्रबंधन तथा वैश्विक मान्यता पर रहा। बैठक में मेगालिथिक स्थलों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, संरचनात्मक संरक्षण, परिदृश्य प्रबंधन, समुदाय की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप दीर्घकालिक संरक्षण रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि आदिवासी समुदायों से जीवंत रूप से जुड़ी

इन ऐतिहासिक संरचनाओं को संरक्षित करते हुए यूनेस्को विश्व धरोहर सूची के लिए एक ठोस और विश्वसनीय प्रस्तुति कैसे तैयार की जाए।

रोडमैप होगा तैयार : इन संवादों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व, विरासत संरक्षण, इंजीनियरिंग और परामर्श के अनुभवों का लाभ उठाने और संस्थागत क्षमता निर्माण की दिशा में संभावित सहयोग के क्षेत्रों की पहचान की गई। राज्य सरकार इन विशेषज्ञ सुझावों के आधार पर एक स्पष्ट और व्यवहारिक रोडमैप तैयार करेगी, जिससे झारखंड की मेगालिथिक विरासत का संरक्षण संरचनात्मक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक तीनों स्तरों पर सुदृढ़ हो सके।

ठोस और दीर्घकालिक किए जाएंगे प्रयास : मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य की अमूल्य मेगालिथिक/मोनोलिथिक विरासत के संरक्षण, पुनर्स्थापन एवं सतत प्रबंधन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार इस विरासत को केवल एक पुरातात्विक धरोहर नहीं, बल्कि आदिवासी समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक पहचान के रूप में देखती है और इसके संरक्षण के लिए वैज्ञानिक पद्धतियों, सामुदायिक सहभागिता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से ठोस और दीर्घकालिक प्रयास किए जाएंगे।

11-13वीं जेपीएससी : हाईकोर्ट ने 342 सफल अभ्यर्थियों को प्रतिवादी बनाने का दिया निर्देश

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट की एकल पीठ 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम रद्द करने की याचिका को पहले ही खारिज कर चुका है। अब याचिकाकर्ता अयूब तिर्की और अन्य ने इसके खिलाफ डबल बेंच में अपील (एलपीए) दायर की है, जिसकी सुनवाई बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने याचिकाकताओं के वकील को निर्देश दिया कि 342 सफल अभ्यर्थियों, जिन्हें नियुक्ति पत्र मिल चुका है, को दो सप्ताह के अंदर प्रतिवादी बनाएं।

सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता संजय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुभाशीष रसिक सोरेन और शोभा लकड़ा ने अपना पक्ष रखा।

बता दें कि पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि इस केस के अंतिम निर्णय से सफल अभ्यर्थी प्रभावित होंगे।

एकल पीठ में याचिका की थी खारिज : गौरतलब है कि हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की एकल पीठ ने अक्टूबर 2025 में 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था।

अदालत ने दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के बाद स्पष्ट किया था कि याचिकाकर्ता की आपत्तियां समयबद्ध नहीं थीं। मूल्यांकन प्रक्रिया में ऐसा कुछ नहीं पाया गया, जो परीक्षा परिणाम को रद करने योग्य हो। अतः याचिका निराधार है और उसे खारिज किया जाता है।

यह रिट याचिका अयूब तिर्की और राजेश कुमार की ओर से दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता परीक्षा में असफल हुए हैं, इसी कारण अब वे प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

अगर उन्हें परीक्षा पद्धति से आपत्ति थी, तो उन्हें पूर्व में ही आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी, न कि परिणाम आने के बाद। सभी उम्मीदवारों के लिए एक समान नियम लागू किए गए थे और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ है।

रिट याचिका में कहा गया था कि जेपीएससी ने डिजिटल इवैल्यूएशन कराया, जो परीक्षा नियमों के खिलाफ है। रीजनल लैंग्वेज की कॉपियों का मूल्यांकन कम अनुभव वाले परीक्षकों ने किया, जबकि नियम के अनुसार कम से कम 10 वर्षों के अनुभव वाले परीक्षकों से जांच कराना आवश्यक था। याचिका में यह भी कहा गया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में गंभीर त्रुटियां और अनियमितताएं हुई हैं, इसलिए परीक्षा परिणाम रद्द किया जाना चाहिए।

दूसरे राज्यों से आने वाले घुमंतू लोगों के लिए गाइडलाइन जरूरी : हाईकोर्ट

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने लापता बच्ची से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी की कि राज्य में राजस्थान सहित अन्य राज्यों से आने वाले घुमंतू लोगों के लिए कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस इन लोगों के आधार कार्ड या पहचान की जांच नहीं करती और न ही राज्य सरकार ने इनके लिए कोई नियम बनाए हैं।

ये लोग जगह-जगह टेंट बनाकर रहते हैं और कई बार आपराधिक गतिविधियों को भी अंजाम देते हैं। ऐसे लोगों पर नजर रखने के लिए पुलिस प्रशासन को गाइडलाइन बनाने की जरूरत है। साथ ही अदालत ने गृह सचिव को अगली सुनवाई यानी 27 जनवरी को ऑनलाइन उपस्थित होने को कहा है।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान हाल ही में रांची के धुर्वा से गायब हुए दो बच्चों अंश और अंशिका का भी जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि झारखंड में बच्चों की तस्करी के नेटवर्क सक्रिय हैं, जिन पर कड़ी नजर रखनी होगी और संबंधित लोगों को तत्काल पकड़ना होगा। रांची शहर गाइड

2018 में मां ने दायर की है हेबियस कार्पस : दरअसल, यह मामला गुमला जिले की 6 वर्षीय बच्ची से जुड़ा है, जिसकी मां चंद्रमुनि उराइन ने सितंबर 2018 में हेबियस कार्पस दायर की थी। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति ए के। राय की खंडपीठ में मामले की सुनवाई चल रही है।

कोर्ट के पूर्व आदेश के आलोक में आज गुमला एसपी कोर्ट के समक्ष हाजिर हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि इस मामले में अनुसंधान के लिए नया एसआईटी गठित किया गया है। एसआईटी ने दिल्ली जाकर अपहृत बच्ची की जानकारी जुटाने की कोशिश की और उसकी फोटो विभिन्न जगहों पर अपलोड करवाई। हालांकि अभी तक बच्ची बरामद नहीं हुई है और तलाश जारी है। कोर्ट ने गुमला एसपी को अगली सुनवाई में सशरीर उपस्थित होने से छूट दी है। राज्य सरकार की ओर से इस मामले में अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार ने पक्ष रखा। बता दें कि इसी मामले में वर्ष 2023 में गठित एसआईटी ने छापेमारी के दौरान लापता नौ बच्चों को बरामद किया था।

प्रयागराज में सेना का ट्रेनिंग विमान तालाब में गिरा : एयरक्राफ्ट को निकलने की कोशिश जारी

प्रयागराज : प्रयागराज में वायुसेना का ट्रेनी विमान हादसे का शिकार हो गया है। विमान तकनीकी गड़बड़ी के बाद तालाब में गिर गया है। इससे बड़ा हादसा टल गया है। विमान में सवार दोनों पायलटों को बचा लिया गया है। मामूली चोट दोनों को लगी है। स्थानीय लोगों ने दोनों को निकालकर अस्पताल भेजा है। हादसा सीएमपी कॉलेज के पास हुआ है। वायुसेना का हेलीकाप्टर राहत-बचाव के लिए भी पहुंचा है। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची है।

बताया जाता है कि वायुसेना का एमएल 114 विमान ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। विमान पर दो पायलट सवार थे। कहा जा रहा है कि अचानक इसके इंजन ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद पायलटों ने विमान का पैराशूट खोल दिया और विमान धीमे गति से केपी कॉलेज के पीछे तालाब में गिर गया। पैराशूट खुलने की आवाज

से ही स्थानीय लोगों की भीड़ तालाब के पास जुट गई। तालाब में जलकुंभी होने के कारण विमान डूब नहीं पाया और पायलट भी बच गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों पायलटों को विमान से बाहर निकाला और अस्पाताल भेजा।

कुछ देर में स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ की टीम और वायुसेना का दल भी हेलीकाप्टर से पहुंच गया। अब विमान को तालाब से निकालने की कोशिश हो रही है। चारों तरफ स्थानीय लोगों का भारी हुजूम उमड़ा पड़ा है।

बड़ा हादसा टला : विमान के रिहाइशी इलाके से दूर तालाब में गिरने से बड़ा हादसा टल गया है। दोनों पायलट तो सुरक्षित है, जमीन पर भी कियी को नुकसान नहीं हुआ है। इस समय प्रयागराज में माघ मेला भी चल रहा है। अगर विमान रिहाइशी इलाके में गिरता या किसी अन्य स्थान पर क्रैश होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। तालाब में गिरने और जलकुंभी के ऊपर ही रुक जाने के कारण विमान को भी ज्यादा नुकसान की आशंका कम जताई जा रही है।

पायलटों ने हाथ हिलाकर मांगी मदद : विमान के तालाब में गिरते ही अंदर बैठे दोनों पायलटो ने बाहर हाथ हिलाकर लोगों से मदद मांगी। केपी कॉलेज के पास बस अड्डे की तरफ से तीन लोग और रेलवे लाइन की ओर से भी तीन लोग तालाब के पास पहुंचे। केपी कॉलेज की तरफ से जाने वाले लोग तालाब की गहराई के कारण विमान तक नहीं पहुंच सके। रेलवे लाइन की तरफ से आए लोगों ने पायलटों को बाहर निकाला और हल्की चोट के कारण अस्पताल भेजा।

बसंत पंचमी पर बैद्यनाथ मंदिर में बंद रहेंगे बीआईपी दर्शन

देवघरः बसंत पंचमी को लेकर बैद्यनाथ मंदिर में होने वाली भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन अभी से ही तैयारी में जुट गया है। भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं को सुगम तरीके से जलार्पण कराने के लिए उपायुक्त की तरफ से कई आवश्यक दिशा निर्देश पदाधिकारियों को दिए गए हैं। जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि बसंत पंचमी के दौरान वीवीआईपी एवं आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए।

दोगुने दाम पर मिलेंगे शीघ्र दर्शनम कूपन : जिला प्रशासन की तरफ से यह भी स्पष्ट किया गया है कि बसंत पंचमी के दौरान सिर्फ शीघ्र दर्शनम कूपन की सुविधा चालू रहेगी। हालांकि इस दौरान कूपन के दर में बढ़ोतरी की गई है, जो कूपन आम दिनों में तीन सौ रुपए में मिल रहे थे, वहीं कूपन अब छह सौ रुपए में लोगों को खरीदने होंगे। बता दें कि बसंत पंचमी के दौरान बैद्यनाथ मंदिर में कई राज्यों से लोग आते हैं और भगवान भोलेनाथ पर गुलाल और घी चढ़ाते हैं।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला

अटल पेंशन योजना 2030-31 तक बढ़ी

सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी मदद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में सामाजिक सुरक्षा और एमएसएमई सेक्टर को लेकर दो अहम फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट ने एक तरफ अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है, वहीं दूसरी ओर सिडबी यानी स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (एसआईडीबीआई) को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने का भी फैसला किया है। इन दोनों कदमों का मकसद देश के कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा देना और छोटे उद्योगों तक सस्ता लोन पहुंचाना है। कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को 2030-31 तक जारी रखने के साथ-साथ इसके प्रचार, जागरूकता और विकास से जुड़ी गतिविधियों के लिए फंडिंग सपोर्ट बढ़ाने को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा योजना को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए जरूरी गैप फंडिंग जारी रखने का भी निर्णय लिया गया है। इससे असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और कम आय वाले लोगों तक योजना की पहुंच और बढ़ेगी। अटल पेंशन योजना की शुरूआत 9 मई 2015 को असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से की गई थी। इस योजना के तहत 60 साल की उम्र के बाद हर महीने 1,000 से 5,000 रुपए तक की गारंटीड पेंशन मिलती है, जो व्यक्ति के

योगदान पर निर्भर करती है। 19 जनवरी 2026 तक इस योजना से 8।66 करोड़ से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं, जिससे यह देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है।

सरकार का मानना है कि योजना को आगे बढ़ाने से भारत को एक पेंशन आधारित समाज बनाने में मदद मिलेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, कैबिनेट ने एमएसएमई सेक्टर को राहत देने के लिए सिडबी को 5,000 करोड़ रुपए की इक्विटी सहायता देने को भी मंजूरी दी है। यह राशि वित्तीय सेवा विभाग के जरिए तीन चरणों में दी जाएगी- वित्त वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपए, जबकि 2026-27 और 2027-28 में 1,000-1,000 करोड़ रुपए। इस पूंजी से सिडबी अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत कर सकेगा और एमएसएमई को ज्यादा मात्रा में सस्ता कर्ज उपलब्ध करा पाएगा। सरकार के मुताबिक, इस इक्विटी निवेश के बाद सिडबी की मदद से वित्तीय सहायता पाने वाले एमएसएमई की संख्या 76।26 लाख से बढ़कर 1।02 करोड़ तक पहुंच सकती है। यानी करीब 25।74 लाख नए एमएसएमई को सीधा फायदा मिलेगा। मौजूदा आंकड़ों के आधार पर इससे करीब 1।12 करोड़ नए रोजगार पैदा होने का अनुमान है, क्योंकि औसतन हर एमएसएमई करीब 4 लोगों को रोजगार देता है।

सरकार ने बताया कि आने वाले वर्षों में सिडबी की बैलेंस शीट पर जोखिम भारित परिसंपत्तियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि बैंक डिजिटल और बिना गारंटी वाले कर्ज, स्टार्टअप्स को वेंचर डेट और एमएसएमई को ज्यादा फाइनेंस उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है। ऐसे में मजबूत पूंजी आधार जरूरी है, ताकि सिडबी की कैपिटल टू रिस्क वेट-ेड एसेट्स रेश्यो (सीआरएआर) मजबूत बनी रहे और उसकी क्रेडिट रेटिंग सुरक्षित रहे।

अटल पेंशन योजना के विस्तार से करोड़ों लोगों को बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, तो वहीं सिडबी को दी गई इक्विटी मदद से एमएसएमई सेक्टर को सस्ता कर्ज, ज्यादा रोजगार और मजबूत विकास का रास्ता मिलेगा।

सुनीता विलियम्स का शानदार अंतरिक्ष करियर, बिताए 608 दिन

नौ स्पेसवॉक किए और बनाए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली : नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 27 वर्षों की लंबी और शानदार सेवा के बाद नासा से सेवानिवृत्ति ले ली। उनके करियर की शुरूआत 2006 में हुई थी, जब उन्होंने एसटीएस-116 मिशन के तहत स्पेस शटल डिस्कवरी से अपनी पहली उड़ान भरी। इसके बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन मिशन पूरे किए और कई अंतरिक्ष रिकॉर्ड बनाए, जिनमें लंबी अवधि तक अंतरिक्ष में रहने और स्पेसवॉक शामिल हैं।

नासा के अधिकारियों और उनके सहकर्मियों के अनुसार, विलियम्स ने न केवल अंतरिक्ष अनुसंधान और मिशनों में अहम योगदान दिया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और नेतृत्व का भी उदाहरण स्थापित किया। उनका करियर विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना।

अमेरिका में हुआ सुनीता विलियम्स का जन्म : सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को अमेरिका के ओहायो में हुआ। उनके पिता, डॉ। दीपक पांड्या, भारतीय मूल के हैं और

गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से हैं। अहमदाबाद से डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे अमेरिका आए। डॉ। पांड्या पेशे से न्यूरोएनाटोमिस्ट हैं। सुनीता की मां, उर्सुलिन बोनी, स्लोवेनियाई मूल की हैं। सुनीता उनके तीन बच्चों में एक हैं।

सुनीता का पालन-पोषण एक हिंदू भारतीय पिता और कैथोलिक मां के संयुक्त परिवेश में हुआ। उनके पिता हर रविवार बच्चों को भगवत गीता का पाठ सुनाते और चर्च भी ले जाते थे। बचपन से ही सुनीता ने रामायण और महाभारत की कहानियां सुनी, जिससे उनमें भारतीय परंपरा और संस्कृति के प्रति लगाव विकसित हुआ।

भगवत गीता की सीख से अंतरिक्ष तक : सुनीता ने अपने अंतरिक्ष मिशनों के दौरान भगवत गीता भी साथ ले गईं। मिशन के बाद 2007 और 2013 में उन्होंने अपने पिता के गांव झूलासन की यात्रा की। सुनीता को बचपन से ही खेलकूद और व्यायाम में गहरी रुचि थी। वह तैराकी में विशेष रूप से माहिर थीं और रोजाना दो घंटे तैराकी करती थीं। छह साल की उम्र में ही उन्होंने कई तैराकी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पदक जीते। शुरूआती वर्षों में उन्हें पशु चिकित्सक बनने का सपना था, लेकिन इच्छित कॉलेज में प्रवेश नहीं मिल सका।

अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली पहली महिला : सुनीता विलियम्स ने अपने करियर में कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए, जो किसी अमेरिकी महिला के लिए अब तक का सबसे अधिक समय है। उन्होंने कुल नौ स्पेसवॉक पूरे किए, जिनका कुल समय 62 घंटे और 6 मिनट था, जो किसी महिला द्वारा अब तक का सबसे लंबा रिकॉर्ड है। इसके अलावा, वह अंतरिक्ष में मैराथन दौड़ने वाली पहली महिला भी बनीं।

साइबर अपराधियों ने 63 हजार 865 रुपये उड़ाये

चतरा : साइबर अपराधियों ने सदर थाना क्षेत्र के लेम गांव निवासी सुनील कुमार सिंह से 63 हजार 865 रुपये की ठगी कर ली है। इस संबंध में भुक्तभोगी ने सदर थाना में आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आया, कॉल करने वाले ने अपने आप को बैंक से जुड़ा बताते हुए कहा कि क्रेडिट कार्ड से संबंधित काम करता हूं।उसने लालच दिया कि यदि अभी 30 हजार रुपये भेजेंगे, तो 20 हजार रुपये बढ़ा कर 50 हजार रुपये वापस किये जायेंगे। ठग की बातों में आकर भुक्तभोगी ने ओटीपी साझा कर दिया।दो बार ओटीपी मांगा।पहली बार में एसबीआई के खाता से 14 हजार उड़ाये और दूसरी बार में क्रेडिट कार्ड से 49 हजार 865 रुपये उड़ा लिये। मैसेज आने पर ठगी का एहसास हुआ और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करायी है।साथ ही बैंक पहुंच कर इसकी जानकारी दी। भुक्तभोगी सुनील सिंह ने थाना प्रभारी से साइबर अपराधियों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है।

भेलवा टुंगरी में मेला, शिव मंदिर में की गई पूजा अर्चना

मुरी : आज भेलवा टुंगरी में स्व काशी नाथ महतो की स्मृति में विशाल मेला का आयोजन किया गया। पाता नाच, मुर्गा लडाई, मुख्य रूप से आयोजन में शामिल हुआ। इसे देखने आसपास के ग्रमीण काफी उत्साह के साथ आए, मेला का आनन्द उठाए। भेलवा टुंगरी स्थित शिव मंदिर में पूजा पाठ किया गया।

स्कूल में घुसा लकड़बग्घा , अफरा तफरी

मुरी : सिल्ली प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत पतराहातू आदर्श उच्च विद्यालय में अचानक एक लकड़बग्घा परिसर में घुस आया। स्कूल खुलते ही जैसे ही बच्चे विद्यालय पहुंचे जानवर को देखकर भागने लगे और पुरा गांव में दहशत फैल गई और बच्चों व शिक्षकों में खलबली मच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और स्कूल परिसर को खाली कराया गया। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई, जिसके बाद विभाग की टीम को मौके पर भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर भय का माहौल है। प्रशासन और वन विभाग की ओर से लोगों से सतर्क रहने और स्कूल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की गई है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

बुजर्ग की समस्या को वीडीओ ने लिया संज्ञान, गांव पहुंचकर बांटे कंबल

सिल्ली : ठंड के प्रकोप को देखते हुए, सुचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सिल्ली अनिल कुमार मंगलवार को टूटकी नवाडीह गांव पहुंचे. जहां 88 बर्ष के बुजुर्ग निताई महतो के अलावे मो0 महिला राधिका देवी प्रमिला देवी जुरु देवी पार्वती देवी फुदन देवी बसंती देवी झूमू देवी बुधराम महतो अंगद महतो मनोहर महतो आदि के बीच वीडीओ ने कंबल बांटे.इस दौरान वीडीओ ने कहा की जरूरतमंद असहाय लोग प्रखंड कार्यालय में सम्पर्क करें उन्हें भी कंबल उपलब्ध करा दिया जायेगा, क्योंकि ज़िंदगी के आखिरी पड़ाव पर बुजुर्गो को सहारे की जरूरत पड़ती है ऐसे जरूरतमंद बुजुर्गो के साथ प्रशासन खड़ी है.वही प्रखंड विकास पदाधिकारी की इस पहल से ग्रामीणों में खुशी देखी गई.मौके पर जेएलकेएम नेता सह समाजसेवी राजू महतो खेदना महतो रोजगार सेवक तारकेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

चतरा में आंगनबाड़ी के री-इमेजिंग पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

चतरा : उपायुक्त कीर्तिश्री जी के निदेर्शानुसार उगम फाउंडेशन के माध्यम से चतरा जिले में री-इमेजिंग आंगनबाड़ी विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 19 जनवरी एवं 20 जनवरी 2026 को डीआरडीए के सभा कक्ष में संपन्न हुई।कार्यशाला में चतरा जिले के अंतर्गत सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं के साथ-साथ प्रत्येक सेक्टर स्तर से मास्टर ट्रेनर के रूप में चिन्हित एक-एक आंगनबाड़ी सेविका सहित कुल 35 सेविकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उगम फाउंडेशन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में नार्मांकित बच्चों के प्रारंभिक वर्षों के महत्व को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया गया।कार्यशाला में यह स्पष्ट किया गया कि बच्चों के मस्तिष्क का लगभग 90 प्रतिशत विकास आठ वर्ष की आयु तक पूर्ण हो जाता है। इस दृष्टि से आंगनबाड़ी केंद्रों में उपस्थित बच्चों की देखभाल एक ह्यकली या पुष्पह्व के समान स्नेह, संवेदना और समर्पण के साथ किए जाने पर विशेष बल दिया गया।दो दिवसीय प्रशिक्षण के क्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के स्वागत एवं अभिवादन की सकारात्मक पद्धतियों, खेल-खेल में अक्षर ज्ञान, संख्या ज्ञान सहित रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर संक्षिप्त एवं व्यावहारिक चर्चा की गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सेक्टरवार चयनित सेविकाओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया गया है, जो अपने-अपने सेक्टर की अन्य सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगी, जिससे जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके।इस अवसर पर उपायुक्त के साथ समाज कल्याण पदाधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत सेविका और सहिया को दिया गया प्रशिक्षण

बेरोजगार युवा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर हो रहे हैं सशक्त और स्वावलंबी : सरवर आलम

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को मुख्यमंत्री सारथी योजना पर प्रखंड की स्वास्थ्य सहिया, जल सहिया और सेविका के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी।कार्यशाला में स्वास्थ्य सहियाओं, जल सहियाओं और सेविकाओं से अपने-अपने कार्य क्षेत्र में मुख्यमंत्री सारथी योजना का प्रचार-प्रसार करने की बात कही गयी। प्रशिक्षक सरवर आलम ने बताया कि योजना के तहत 18 से 35 वर्ष के बेरोजगार युवक-युवतियों को तीन माह का कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ा जायेगा। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सिलाई, ब्यूटीशियन, फैशन डिजाइन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रीशियन, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन और वेल्डिंग ऑपरेटर सहित अन्य ट्रेडों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सशक्त और स्वावलंबी हो रहे हैं। इस मौके पर रमेश यादव, सेविका ,जल सहिया सहित सैकड़ों स्वास्थ्य सहिया मौजूद थे।

कोडरमा नप वार्ड नंबर 5 आंबेडकर नगर के लोग नरकीय जीवन जीने को बेबस

कोडरमा वार्ड नंबर 5 अंबेकर नगर में पी सी सी रोड, नाली निर्माण एवं हाई मास्ट लाइट लगाया जाय : केबीएसएस

जनहित में मांगो को अविलंब पूरा नहीं किया गया तो, 5 फरवरी को जन सहयोग से जनाक्रोश आंदोलन के लिए लोग होंगे विवश : महेश भारती

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : वार्ड नंबर 5 सदर अस्पताल के पीछे अंबेकर नगर में पी सी सी रोड, नाली निर्माण एवं हाई मास्ट लाइट की मांग को लेकर कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति (डइरर) ने नगर अध्यक्ष प्रत्याशी धरतीपुत्र महेश भारती के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ मंगलवार को कोडरमा नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा से एक प्रतिनिधि मंडल मिला जिसको संज्ञान में लेते हुए संबंधित जेई को तुरंत जांच कर उचित कार्यवाही करने का निर्देश दिए। साथ ही उक्त क्षेत्र में स्वयं भी जांच हेतु जाने की बात कहे और जल्द ही समस्या का समाधान होगा आश्वाशन दिए। वही प्रतिनिधि मंडल में श्री भारती ने कहा कि कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति लगातार कोडरमा की जन समस्याओं जैसे चाहे वह माइनिंग कॉलेज ,जे जे कॉलेज, सदर अस्पताल , रोड , नाली, बिजली ,पानी आदि को लेकर लगातार संघर्ष करते आ रही है आज इसी आलोक में चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आजाद भारत के हरियाली झारखंड का एक छोटा सा जिला कोडरमा में स्वस्छ व सुंदर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 सदर अस्पताल के पीछे आंबेडकर नगर के लोग नरकीय जीवन जीने को बेबस हो रहे है। वहां पर ना तो उचित रहने के लिए किसी के पास मकान है। और ना ही संपूर्ण रोड ,नाली की व्यवस्था है। और सदर अस्पताल का पूरा गंदा पानी भी उसी आंबेडकर नगर हो के गुजरता है। उचित निकासी का साधन नहीं होने के कारण गंदा पानी का जल जमाव हो रहा है। जिससे वहां के लोगों को रहने आने जाने बैठने उठने आदि जैसे अन्य जन सुविधाओं के से वंचित है। ऐसी विकट स्थिति को कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति जन हित में प्रशासक से मांग किया गया कि वार्ड नंबर 5 सदर अस्पताल के पीछे आंबेडकर नगर में पी सी सी रोड, नाली निर्माण एवं हाई मास्ट लाइट लगाया जाय ताकि आंबेडकर नगर के वासी स्वस्छ वातावरण में रह सके जिसकी प्रतिलिपि मुख्य मंत्री, नगर विकास मंत्री झारखंड सरकार रांची, विधायक कोडरमा, उपायुक्त कोडरमा को भी देने का काम करेंगे। साथ ही श्री भारती ने कहा कि जनहित में मांगो को अविलंब पूरा नहीं किया गया तो, 5 फरवरी को जन सहयोग से जनाक्रोश आंदोलन के लिए लोग होंगे विवश । जिसकी सारी जबाव देही प्रशासक व जिला प्रशासन की होगी। प्रतिनिधि मंडल में शियाराम, अनिल कुमार, अमर कुमार,विजय कुमार, सोनी देवी,राधा देवी,नीलम देवी, बीरेंद्र राम,राहुल कुमार आदि ग्रामीण शामिल थे।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 में आयुष सिन्हा की शानदार उपलब्धि, राज्य में द्वितीय स्थान के साथ राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली विद्यालय के कक्षा 7 के मेधावी छात्र आयुष सिन्हा ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय, जिले एवं परिवार का नाम रोशन किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आयुष का राष्ट्रीय स्तर के लिए भी चयन हुआ है, जो ग्रिजली विद्यालय समुदाय के लिए विशेष गर्व का क्षण है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन देश की सबसे बड़ी डिजिटल आधारित विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अनुसंधान की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता विज्ञान भारती द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित की जाती है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सीआईएमएफआर), धनबाद में हुआ। आयुष की इस उल्लेखनीय उपलब्धि में उनकी मेंटर एवं विज्ञान शिक्षिका शालिनी सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासा, तार्किक सोच और विषयगत समझ को निरंतर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने आयुष को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उसकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम है।विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन जैसी प्रतियोगिताएँ छात्रों में अनुसंधान, विश्लेषणात्मक क्षमता और समस्या-समाधान की भावना को विकसित करती हैं तथा आयुष की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर निदेशक द्वय अविनाश सेठ एवं मनीष कपसीमे, सीओओ तनिष्क सेठ, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, सीसीए संयोजक राजीव रंजन सिंह सहित समस्त ग्रिजली विद्यालय परिवार ने आयुष सिन्हा, उनकी मेंटर शालिनी सिन्हा एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। आयुष सिन्हा की यह सफलता न केवल ग्रिजली विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी उदाहरण है। विद्यालय परिवार उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक

बीएलए-2 की शीघ्र नियुक्ति का निर्देश

संवाददाता

चतरा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, चतरा श्रीमती कीर्तिश्री जी के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता अरविंद कुमार ने समाहरणालय में निर्वाचन से संबंधित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक का मुख्य उदेश्य मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं उसकी तैयारी में पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा इस प्रक्रिया में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाना था।बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा बूथ लेबल एजेंट्स (बीएलए-2) की नियुक्ति के संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए बूथ लेबल एजेंट्स (बीएलए) की नियुक्ति मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा की जानी है। इस विषय में पूर्व की बैठकों के माध्यम से सभी राजनीतिक दलों को आयोग के निदेर्शों से अवगत कराया जा चुका है।वर्तमान स्थिति की समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि अब तक केवल इण्डियन नेशनल कांग्रेस द्वारा 26-सिमरिया (अ०जा०) विधानसभा क्षेत्र से 68 एवं 27-चतरा (अ०जा०) विधानसभा क्षेत्र से 170, इस प्रकार कुल 238 बूथ लेबल एजेंट्स (बीएलए-2) की नियुक्ति से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई गई है।

विभागीय निदेर्शों के अनुसार बूथ लेबल एजेंट्स (बीएलए-2) का प्रशिक्षण संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अथवा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के स्तर से दिया जाना है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 28 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक की अवधि में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि अधिकांश राजनीतिक दलों द्वारा अब तक बीएलए-2 की नियुक्ति नहीं की जा सकी है। ऐसे सभी राजनीतिक दलों से भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के आलोक में यह अनुरोध किया गया है कि वे दिनांक 28 जनवरी 2026 के पूर्व अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के लिए बूथ लेबल एजेंट (बीएलए -2) की नियुक्ति सुनिश्चित करते हुए संबंधित प्रस्ताव जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।बैठक में चतरा अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रांची एयरपोर्ट पर 35 जायरीन का उमरा से वापसी

रांची : स्काई नेट ट्रेवल्स एंड टूर एंड अल इल्हान टूर एंड ट्रेवल्स से 35 जायरीन का जत्था आज बिरसा मुंडा एयरपोर्ट अपने वतन वापस पहुंचा। सभी ने अपनी पवित्र यात्रा पूरी करके सकुशल लौट आए हैं। उमराह करके वापस लौटने पर जायरीन को ट्रेवल्स और समाज के लोगों ने स्वागत किया। सभी जायरीन ने कहा कि नैय्यर इकबाल सिद्दीकी और सैयद नेहाल अहमद और उनकी टीम ने जो वादा किया था सर्विस देने का उससे बढ़कर अपना वादा निभाया। जायरीन ने कहा वहां सभी तरह की सुविधा थी और जियारत में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। झारखंड का सबसे विश्वसनीय स्काई नेट ट्रेवल्स जो जायरीनों की खिदमत लगातार पच्चीस वर्षों से करता चला आ रहा है स्काई नेट और अल इल्हान टूर एंड ट्रेवल्स के नैय्यर इकबाल और सैयद नेहाल अहमद के नेतृत्व में 35 जायरीन मुबारक सफर से वापसी की। इन्होंने बताया कि हमारा मकसद उमराह में गए तमाम जायरीनों का ख्याल रखना पहली प्राथमिकता होती है यही वजह है कि हमलोग जायरीनों के छोटे छोटे ग्रुप बनाते है जिससे कि इन्हें उमराह के अरकान बिना किसी परेशानी के आसानी से करवाया जाए।इस मौके पर उमराह से लौटे जायरीनों ने एयरपोर्ट पर देश और दुनिया में अमन चैन खुशहाली कि दुआ मांगी। नैय्यर इकबाल सिद्दीकी और सैयद नेहाल अहमद ने कहा कि सभी जायरीन को मुकद्दस जगहो की जियरात, मक्का और मदीना में 500 मीटर के दायरे में 4 स्टार होटल में ठाहराया गया। सभी जायरीन को उमराह के दौरान सभी सुविधा दी गई। यह ग्रुप मो खालिद भाई के नेतृत्व में गई और वापस हुई। इस मौके पर नेहाल अहमद, नैयर इकबाल सिद्दीकी, मो खालिद,मौलाना शाहबाज समेत कई गणमान्य लोग शामिल थे।

डॉ.प्रिया लखोटिया ने संभाली जेसीआई रांची उड़ान के अध्यक्ष पद की कमान, पूजा बुधिया सचिव मनोनीत

रांची : सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था जेसीआई रांची उड़ान की नई अध्यक्ष डॉ. प्रिया लखोटिया ने पदभार संभाला। मंगलवार को शहर स्थित होटल लेमन ट्री में आयोजित 14वें शपथ ग्रहण समारोह में डॉ.प्रिया लखोटिया ने अपनी नई टीम के साथ संस्था की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली।जेसीआई रांची उड़ान की आईपीपी अदिति मेवाड़ा ने उन्हें अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इसके बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. प्रिया लखोटिया ने अपनी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में रिदिमा मोदी, रेखा रायका, पलक नरेड्डी, विनिता पोद्दार, विधि रायका एवं तृप्ति केडिया को शामिल किया गया। सचिव पद पर पूजा बुधिया, कोषाध्यक्ष अंजना अग्रवाल तथा निदेशक मंडल में स्वाति सिंघानिया, रिंकू चौधरी, पलानी जैन, नेहा अग्रवाल, अभिलाषा सराफ, मेघा मित्तल एवं अर्पिता पोद्दार को दायित्व सौंपा गया। खुशी एवं निधि ने प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नन्हे कदम स्कूल की डायरेक्टर वीणा सिंह ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय एवं निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जेसीआई रांची उड़ान लगातार सामाजिक सरोकारों से जुड़े उत्कृष्ट कार्य करती आ रही है और यह सेवा भावना आगे भी निरंतर बनी रहनी चाहिए।

कर्बला चौक पर अतिक्रमण हटाओ अभियान में भेदभाव का आरोप

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के कर्बला चौक में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान आम जनता, विशेषकर गरीब और कमजोर तबके के लिए विस्थापन का कारण बन गया है। कर्बला चौक के विभिन्न रिहायशी इलाकों और सड़कों के दोनों किनारों पर स्थित दुकानों व झोपड़ियों को प्रशासन द्वारा हटाया जा रहा है, लेकिन इसी अभियान के दौरान चर्च रोड के अतिक्रमण को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है।

इस स्थिति ने प्रशासन की मंशा और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम लोगों का कहना है कि यदि अतिक्रमण एक समस्या है, तो यह केवल कर्बला चौक तक ही सीमित क्यों है? चर्च रोड के दुकानों और मकानों को अतिक्रमण हटाओ अभियान से बाहर रखने का क्या कारण है?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में प्रशासन दोहरे मानदंड अपना रहा है। एक ओर गरीबों की झोपड़ियां और छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी उजाड़ी जा रही है, वहीं दूसरी ओर चर्च रोड पर अतिक्रमित भवन और दुकानें ज्यों की त्यों सुरक्षित खड़ी हैं। इस संबंध में जब अधिकारियों से सवाल किए गए, तो उनके पास कोई स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर नहीं था।

न्यायालय के आदेश के बावजूद यदि चर्च रोड से अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा है, तो यह आदेश की अवहेलना के समान है। जनता इसे सरकार की उस नीति के रूप में देख रही है, जिसमें ह्लएक आंख में काजल और दूसरी आंख में कालिखह्व पोती जा रही है।

कर्बला चौक की जनता का स्पष्ट कहना है कि यदि गरीबों के आशियाने गिराए जाते हैं, तो चर्च रोड पर अतिक्रमित भूमि पर बने मकान और दुकानों को भी हटाया जाना चाहिए। अन्यथा यह अभियान निष्पक्ष न होकर चयनात्मक और भेदभावपूर्ण माना जाएगा।

आज रांची में भवन अतिक्रमण की आग में झुलस चुके आम लोग यह महसूस कर रहे हैं कि अतिक्रमण का डंडा केवल कर्बला चौक के गरीबों पर ही चल रहा है। यदि ऐसा नहीं है,

पत्रकार आदिल रशीद सद्भावना सम्मान अवार्ड से सम्मानित

संवाददाता

रांची : सर्व धर्म सद्भावना समिति के द्वारा बिहार क्लब में सद्भावना सम्मान 2025-26 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी सरपरस्ती समिति के संरक्षक डॉ अजीत सहाय ने की और अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मो इस्लाम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री, एसएसपी राकेश रंजन, एसडीएम कुमार रजत, एडीएम राजेश्वर नाथ आलोक, एसपी गौतम कुमार साहू, श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव, माइनारिटी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मुमताज खान थे। सर्व धर्म सद्भावना समिति सद्भावना सम्मान वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट सेवा योगदान के फलस्वरूप मोमेन्टो, शॉल देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रोग्राम में पत्रकारिता के क्षेत्र में बेहतर करने और सामाजिक कार्यों में भाग लेने और अपना एक अलग पहचान रखने वाले रांची के पत्रकार मो आदिल रशीद को सर्व धर्म सद्भावना समिति द्वारा सद्भावना सम्मान वर्ष 2025-26 से सम्मानित किया। यह सम्मान एसडीएम रांची कुमार रजत, एडीएम राजेश्वर नाथ आलोक रांची के हाथों पत्रकार आदिल रशीद को दिया गया। इनके अलावा, पत्रकार शादाब खान, नकी इमाम रिजवी और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासनिक पदाधिकारीगण, पुलिस प्रशासनिक पदाधिकारीगण, सद्भावना समिति से जुड़े कई लोगों को सम्मानित किया गया।

मलार कोचा के लोग पहुंचे पूर्व पार्षद के यहां, कहा

लोग हमें अब भगा रहे हैं, मदद करें

संवाददाता

रांची : धुर्वा थाना क्षेत्र के मौसीबाड़ी मलार कोचा से काफी संख्या में बस्तीवासी निवर्तमान पार्षद आनंदमूर्ति सिंह के यहां पहुंचे। उन लोगों का कहना है कि अंश और अंशिका प्रकरण के बाद समाज में इन लोगों के प्रति अविश्वास बढ़ गया है। यह लोग भीख मांग कर, कूड़ा चुनकर, घरों में काम कर अपना गुजारा करते हैं। बच्चा मामले के बाद इन्हें जगन्नाथपुर मंदिर से भी भगा दिया गया है शनि मंदिर के पास भी नहीं बैठने दिया जा रहा है और क्षेत्र में भी नहीं घूमने दिया जा रहा है इन्होंने नहीं निवर्तमान पार्षद से अनुरोध किया है कि वह उनकी मदद करें। यह लोग ज्यादातर लोहरा समाज से हैं।

बैरिकेडिंग से दुकानदार परेशान,कारोबार हो रहा ठप : रातु चैम्बर ऑफ कॉमर्स

संवाददाता

रांची : काठीटांड़ चौक पर लगाई गई बैरिकेडिंग अब आम जनता और दुकानदारों के लिए सजा बनती जा रही है। प्रशासन के फैसले के खिलाफ बुधवार को रातु चैम्बर ऑफ कॉमर्स के आह्वान पर काठीटांड़ चौक के सैकड़ों दुकानदारों ने स्वैच्छिक बंद रखा और चौक में एक दिवसीय धरना पर बैठे रहे।

इस दौरान दुकानदारों ने कहा कि चौक पर बैरिकेडिंग लगाकर रखना यह ट्रैफिक कंट्रोल नहीं है। ये प्रशासनिक नाकामी छिपाने की साजिश है। चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अमित तिवारी ने आरोप लगाया कि दो साल से बैरिकेडिंग लगी है,लेकिन आज तक दुकानदारों से कोई वार्ता नहीं की गई। चौक पर हर दिन हजारों लोग आते हैं,फिर भी न गोलचक्कर बनाया गया है,न

ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए हैं और न पुलिस तैनात रहते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशासन मात्र 500 मीटर की दूरी पर बैठा है, फिर भी जमीनी हकीकत से आंख मूंदे हुए है। मोबाइल दुकानदार अजबूल हसन ने कहा कि बैरिकेडिंग के कारण व्यापार ठप हो गया है। दुकानदारों ने कहा रातु में काठीटांड़ चौक के आसपास के दुकानदार सबसे ज्यादा टैक्स देता है, इसके बावजूद बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। दुकानदारों ने चेतावनी दी है कि अगर 15 दिनों के भीतर व्यवस्था नहीं सुधरी, तो आंदोलन और उग्र होगा। इस बीच रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मौके पर पहुंचे और आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि जहां जरूरत है,वहीं बैरिकेडिंग होनी चाहिए। प्रशासन निरीक्षण करे। बैरिकेडिंग के कारण लोग अब रॉन्ग साइड से वाहन चला रहे हैं। प्रशासन अपनी नाकामी छिपा रहा है। मंत्री ने कहा कि जितनी पैसा लगेगा वो हम दिलायेंगे।

पत्नी हत्या के आरोपी पर आरोप गठित

रांची : पत्नी की हत्या करने के आरोपी पत्ती बुधनाथ लोहारा पर रांची कोर्ट ने आरोप गठित किया है। अपर न्यायुक्त देवाशीष महापात्रा की कोर्ट ने हत्या मामले की सुनवाई करते हुए आरोप गठित किया है। अब इस मामले में अगली सुनवाी 11 फरवरी से होगी और गवाहों को बुलाकर उनकी गवाही ली जायेगी। कोर्ट ने गवाहों को पेश करने का निर्देश दे दिया है।

बता दें कि हत्या की यह घटना 21 जून, 2025 की है। मृतका के भाई जलेश्वर लोहरा ने बेड़ो थाने में हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी थी। आरोपी पति मानसिक रूप से विक्षिप्त है जिसका रिनपास से इलाज चल रहा था। दवा नहीं खाने को लेकर अक्सर पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। हत्या की घटना को अंजाम देने से पूर्व भी आरोपी पति ने अपनी घर में आग लगा दी था और 21 फरवरी को मारपीट कर गला दबाकर हत्या कर दी थी।

झारखण्ड सरकार
कारा एवं सुधारात्मक सेवाएँ निरीक्षणालय
बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा, होटवार, राँची
ई0–निविदा सूचना

1	कारा का नाम	बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा, होटवार, राँची।
2	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार की खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलु, फल, मांस, सरसो का तेल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई0–निविदा का आमंत्रण। (द्वितीय त्रैमासिक निविदा दिनांक–01.04.2026 से 30.06.2026 तक) (वार्षिक निविदा दिनांक–01.04.2026 से 31.03.2027 तक)
3	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non-Refundable) स्वीकार की जायेगी।	₹ 5,000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय।	तिथि–30.01.2026 के पूर्वाहन् 10:00 बजे से 06.02.2026 के अपराह्न 5:00 बजे तक
5	निविदा online upload करने की तिथि।	तिथि–30.01.2026 के पूर्वाहन् 10:00 बजे से 06.02.2026 के अपराह्न 5:00 बजे तक
6	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (sample) जमा करने की तिथि।	तिथि–07.02.2026 को पूर्वाहन्–10:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7	अग्रधन राशि (EMD) (₹ 2500/- से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि।	तिथि–07.02.2026 को पूर्वाहन्–10:00 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान	तिथि–10.02.2026 को पूर्वाहन–11:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में अपर समाहर्त्ता, विधि–व्यवस्था की उपस्थिति में।

1- उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट –http://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2- निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3- अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा, होटवार, राँची के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को Online upload करने से संबंधित जानकारी के लिए NIC Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक
बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारा,
होटवार, राँची।

PR 371157 Prison(25-26)D

स्वच्छ सर्वेक्षण: टॉप रैंकिंग के लिए रांची नगर निगम ने कसी कमर

रांची : स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में रांची शहर को देश की शीर्ष रैंकिंग में शामिल कराने के लिए रांची नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर को साफ, सुंदर और लोगों के लिए बेहतर बनाने के उद्देश्य से आज 20 जनवरी 2026 को नगर निगम कार्यालय में एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर प्रशासक संजय कुमार ने की।

बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा जारी टूलकिट के सभी बिंदुओं (इंडिकेटर्स) पर विस्तार से चर्चा हुई। अपर प्रशासक ने साफ शब्दों में कहा कि स्वच्छता के काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिया कि शहर के सभी मॉड्यूलर, कम्युनिटी और पब्लिक टॉयलेट्स की नियमित और बेहतर सफाई होनी चाहिए। इसके साथ ही सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों पर स्पष्ट रूप से साफ-सफाई दिखनी चाहिए।

इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में सरकारी और निजी स्कूलों की सफाई को भी अहम माना गया है। स्कूलों में स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियां कराई जाएंगी और बच्चों को गार्बेज फ्री सिटी, कम करो-दोबारा इस्तेमाल करो-रीसायकल (3आर) और स्थायी कचरा प्रबंधन जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी।

सदभावना सम्मान समारोह में उपायुक्त व एसएसपी हुए शामिल

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने मंगलवार को संयुक्त रूप से सर्वधर्म सदभावना समिति द्वारा आयोजित सदभावना सम्मान समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों, उनके शांतिपूर्ण आयोजन तथा समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ, रांची नगर निगम के उप प्रशासक गौतम कुमार सहित सर्वधर्म सदभावना समिति के प्रमुख सदस्य डॉ. अजीत सहाय, जय सिंह यादव, मो. इस्लाम, बार एसोसिएशन के सचिव मुमताज खान, परमजीत सिंह टिंकू, तपेश्वर केसरी, अकीलुल रहमान एवं समाज के अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सर्वधर्म सदभावना समिति के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि समिति के सक्रिय योगदान से ही राँची जिले में सभी पर्व-त्योहार शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होते रहे हैं। उन्होंने आगामी पर्वों के दौरान भी प्रशासन को इसी प्रकार सहयोग देने की अपील की।

उपायुक्त ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए आमजन से अपील की कि वे केवल सत्यापित एवं सकारात्मक संदेशों का ही आदान-प्रदान करें, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना से सामाजिक शांति भंग न हो।

वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने कहा कि रांची पुलिस को सर्वधर्म सदभावना समिति और समाज के प्रबुद्धजनों का हमेशा पूर्ण सहयोग मिलता रहा है। इसी सहयोग के बल पर जिले में सभी पर्व-त्योहार सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने आगामी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

188वां श्री सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ का हुआ समापन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 188वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

राम सिया राम, जय जय राम के संकीर्तन और बजरंगबली की जय के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य राजेश ढांढनीया ने अखंड ज्योति एवं पूजन संबंधी सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना एवं फल का भोग अर्पित किया। उन्होंने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा कर पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत एवं ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक-ढपली की मधुर संगत में श्री गणेश वंदना के साथ श्री हनुमान चालीसा एवं संगीतमय सुंदरकांड का पाठ कराया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भाग लिया। पाठ के दौरान भजनों का गायन भी किया गया।

समापन पर पुनः हनुमान चालीसा पाठ, महाआरती एवं भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

प्रसाद सेवा में श्रवण ढांढनिया (चना), पुष्पा देवी पोद्दार (केसरिया पेड़ा), मुकेश मित्तल (गिरिगोला) एवं राजेश जयसवाल (फल प्रसाद) का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, आशा मोदी, अंकित, संकेत, ऋषभ, हर्ष, प्रणव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन' आज से

रांची : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में 21 से 23 जनवरी के बीच आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन' 2026 के 3-दिवसीय सम्मेलन में अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार के साथ झारखंड के उवख, क्ष्ल्ट एवं संत जेवियर्स के थीमेटिक एक्सपर्ट, ठछटळ२ एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी भाग ले रहे है।

हर मंगलवार प्रखंड व अंचल कार्यालयों में जनता दरबार

संवाददाता

रांची : रांची जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिले के सभी प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का नियमित आयोजन किया जा रहा है। यह पहल उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर संचालित की जा रही है।

जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं आम नागरिकों की समस्याओं को सुनना, उनका समयबद्ध निस्तारण करना तथा प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। जनता दरबार में विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिनमें प्रमुख रूप से भूमि विवाद एवं दाखिल-खारिज, जाति, आय, आवासीय एवं स्थानीय प्रमाण-पत्र निर्गमन व सुधार, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन से जुड़े मामले, मनरेगा, कृषि ऋण माफी, केसीसी तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित लंबित भुगतान शामिल हैं।

प्रशासन द्वारा प्राप्त अधिकांश शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है। कई मामलों का समाधान मौके पर ही किया गया, जबकि जटिल अथवा लंबित मामलों को नियमसंगत कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों एवं कार्यालयों को अग्रसारित किया जा रहा है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया है कि वे जनता दरबार के दौरान अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहें, ताकि नागरिकों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।

उपायुक्त ने कहा,जनता दरबार प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। हमारा प्रयास है कि कोई भी नागरिक बिना वजह परेशान न हो और उसकी शिकायत का समाधान पारदर्शी एवं त्वरित रूप से हो। लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यह पहल राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों के अनुरूप है तथा जिला प्रशासन द्वारा इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार को अपने नजदीकी प्रखंड अथवा अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में उपस्थित होकर लाभ उठाएं।

कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन आमंत्रण सूचना
संख्या – 31/2025–2026

1. विज्ञापनदाता का नाम : जिला अभियंता जिला परिषद राँची
2. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : सहायक अभियंता, जिला परिषद राँची। जिला अभियंता, जिला परिषद कार्यालय, राँची
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 30.01.2026 (अपराह्न 3:00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि : दिनांक 31.01.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक
5. निविदा प्राप्त करने का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 31.01.2026 को अपराह्न 3:30 बजे।
7. निविदा खोलने का स्थान : जिला परिषद, कार्यालय, राँची।
8. कार्य का विस्तृत विवरणी :

क्र०सं०	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	1	3	4	5	6	7
01	नगड़ी	नगड़ी प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम–पुन्दाग (थाना संख्या–228) में पुल का निर्माण कार्य।	49,92,600.00	1,00,000.00	5000.00	Six Month
02	शहरी क्षेत्र	डोरण्डा (छप्पन सेट) पार्क में पाथवे शौचालय, गजीबो इत्यादि की सुविधा एवं सौदर्यीकरण कार्य।	35,99,500.00	72,000.00	5000.00	Three Month

नोट: 1. निविदा की अन्य शर्तें जिला परिषद, कार्यालय, राँची के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2. इस निविदा में जिला परिषद, राँची अन्तर्गत निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक भाग लेंगें।

जिला अभियंता
जिला परिषद राँची

PR 371124 Panchayati Raj(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में दोरला समाज का घर वापसी अभियान

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में हाल ही में एक ऐतिहासिक घटना घटी, जहां 47 परिवारों ने ईसाइयत छोड़कर सनातन धर्म में घर वापसी की। दोरला आदिवासी समाज के पटेल-पुजारी परिचर्चा सम्मेलन के दौरान कोंटा विकासखंड के जान गोलापल्ली गांव में आयोजित किए गए सम्मेलन में इन बन्धुओं ने सनातन धर्म में वापसी की इच्छा जताई और कहा कि उन्हें ईसाइयत से अब मुक्ति चाहिए।

वस्तुतः जो छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है, ब्रिटिश काल से ही ईसाई मिशनरियों का केंद्र रहा है। 19वीं सदी में बस्तर और सुकमा जैसे क्षेत्रों में मिशनरियों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर बड़े पैमाने पर धार्मिक प्रचार शुरू किया। 2011 की जनगणना के अनुसार, छत्तीसगढ़ की कुल आबादी 2.55 करोड़ थी, जिसमें ईसाई आबादी मात्र 1.92 लाख (0.76 प्रतिशत) दर्ज की गई। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि कई कन्वर्टेड आदिवासी खुद को ईसाई होना नहीं बताते हैं।

बस्तर संभाग, जिसमें सुकमा शामिल है, सबसे प्रभावित क्षेत्र है। यहां गोंड, हल्बा, मुरिया और दोरला जैसे जनजाति समुदायों में कन्वर्जन की दर सबसे ऊंची रही। 2001 से 2011 के बीच ईसाई आबादी में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) और विभिन्न एनजीओ रिपोर्ट्स के अनुसार, 2014-2023 के बीच बस्तर क्षेत्र में औसतन 5-7 हजार प्रति वर्ष कन्वर्जन के मामले दर्ज हुए। सुकमा जिले में ही 2020 तक अनुमानित 15-20 प्रतिशत आदिवासी परिवार ईसाई प्रभाव में आ चुके थे। मिशनरियों द्वारा आयोजित प्रार्थना सभाओं, मुफ्त चिकित्सा शिविरों और आर्थिक लालच के जरिए यह प्रक्रिया तेज हुई।

राज्य सरकार की 2022 की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कन्वर्जन को वित्तीय सहायता से जोड़ा गया। उदाहरण स्वरूप, सुकमा के कोंटा ब्लॉक में 40 गांवों में 30 प्रतिशत से अधिक परिवार ईसाई हो चुके थे। इसकी गंभीरता इससे भी समझी जा सकती है कि गृह विभाग की 2025 रिपोर्ट में 2,500 अवैध कन्वर्जन केस दर्ज हुए, जिनमें से 60 प्रतिशत बस्तर से थे।

दोरला समाज जोकि इस बस्तर की मूल जनजाति है, अपनी प्रकृति पूजा और परंपराओं से विमुख हो रहा था। इसके बाद यहां घर वापसी अभियान 2014 से तेज हुआ, जब राष्?ट्रीय स्?वयंसेवक संघ और स्थानीय हिंदू संगठनों ने इसे संगठित रूप दिया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी), बजरंग दल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखाओं ने इन सभी जनजाति क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए। इनमें सांस्कृतिक सम्मेलन, धार्मिक अनुष्ठान और सामाजिक सहायता शामिल हैं। सुकमा का पटेल-पुजारी परिचर्चा सम्मेलन इसी श्रृंखला का हिस्सा था।

तथ्यों पर नजर डालें तो 2014 से 2025 तक छत्तीसगढ़ में कुल 1.2 लाख से अधिक लोगों ने घर वापसी की है। सुकमा जिले में ही पिछले तीन वर्षों के दौरान 500 से अधिक परिवार लौटे। जान गोलापल्ली सम्मेलन में 47 परिवारों की घर वापसी इसका जीवंत उदाहरण है। इनमें ज्यादातर दोरला समाज के सदस्य थे, जो ईसाइयत अपनाने के बाद लगातार मानसिक क?लेश से जूझ रहे थे। हालांकि राज्य सरकार ने भी 2023 के धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम में बदलाव कर कन्वर्जन पर सख्ती बरती है। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर यहां नैतिक रूप से देखा जा रहा है।

दोरला समाज की सांस्कृतिक चुनौतियां और पुनरुत्थान

दोरला समाज बस्तर का प्राचीन आदिवासी समुदाय है, जो प्रकृति पूजा, डांसर नृत्य और गोत्र-आधारित विवाह प्रथा के लिए जाना जाता है। लेकिन कन्वर्जन ने इन परंपराओं को खतरे में डाल दिया। सम्मेलन में पदाधिकारियों ने चिंता जताई कि युवा पीढ़ी चर्च की ओर आकर्षित हो रही है, जिससे भाषा (हल्बी-गोंदी), लोकगीत और त्योहार जैसे मड़ई-मेला विलुप्त हो रहे हैं। सम्मेलन के मुख्य वक्ता, समाज प्रमुख कमलेश दोरला ने सभी को यहां समझाया कि दोरला समाज कई जगह पर दूसरे ईसाई मत की संस्कृति पर निर्भर होता हुआ दिखता है। हमें अपनी रीति-रिवाजों को पुनर्जीवित करना होगा। जनजागरण अभि?यान हर घर चलाना होगा, घर वापसी के बाद इन परिवारों को सरना पूजा, यज्ञ और सामुदायिक भोज का प्रशिक्षण दिया जाना आज जरूरी हो गया है। यह भी एक तथ्?य है कि पड़ोसी राज्यों जैसे ओडिशा और झारखंड में भी इसी तरह के प्रयास सफल रहे हैं, जहां 2024 में 10 हजार घर वापसी हुईं।

व्यापक प्रभाव और भविष्य की दिशा : बस्तर संभाग में ईसाई आबादी अब घटकर 12 प्रतिशत रह गई है, जबकि घर वापसी 20 प्रतिशत बढ़ी है, निश्चित ही आज के संदर्भ में इसे एक सार्थक पहल माना जाएगा। अच?छी बात इसमें यह भी है कि छत?तीसगढ़ की सरकार ने 2026 के बजट में सिर्फ आदिवासी सांस्कृतिक संरक्षण के लिए 500 करोड़ आवंटित किए हैं। वहीं, आज सुकमा सम्मेलन ने साबित कर दिया कि जागरूकता से जड़ें मजबूत की जा सकती हैं। कहना होगा कि इस प्रकार, दोरला समाज की घर वापसी छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई इबारत लिख रही है। आने वाले समय में ऐसे और अधिक अभियान राज्य को अपनी मूल पहचान से जोड़ेंगे, आज हमें यही आशा करना चाहिए।

किशनगंज में प्रस्तावित सैन्य छावनी के मायने

बदलते क्षेत्रीय हालात लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन की आक्रामक गतिविधियां, बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और उससे उपजी अवैध घुसपैठ के बीच इस कॉरिडोर को सुदृढ़ करना अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुका है। ऐसे में बिहार के किशनगंज जिले में प्रस्तावित भारतीय सेना का अग्रिम शिविर इसी दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

ओम पराशर

भारत का सिलिगुड़ी कॉरिडोर, जिसे प्रचलित रूप से चिकन नेक कहा जाता है, राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से देश की सबसे संवेदनशील और रणनीतिक बिंदुओं में से एक है। मात्र लगभग 22 किलोमीटर चौड़ी यह संकरी पट्टी भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर के सात राज्यों और लगभग साढ़े चार करोड़ नागरिकों से जोड़ती है। बदलते क्षेत्रीय हालात लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन की आक्रामक गतिविधियां, बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और उससे उपजी अवैध घुसपैठ के बीच इस कॉरिडोर को सुदृढ़ करना अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुका है। ऐसे में बिहार के किशनगंज जिले में प्रस्तावित भारतीय सेना का अग्रिम शिविर इसी दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

सिलिगुड़ी कॉरिडोर न केवल सैन्य रसद, व्यापारिक मार्गों और आपदा प्रबंधन के लिए अहम है, बल्कि यह देश की सामरिक एकता का प्रतीक भी है। इसके पश्चिम में नेपाल, उत्तर में भूटान और पूर्व व दक्षिण में बांग्लादेश की सीमाएं इसे और अधिक संवेदनशील बनाती हैं। यदि किसी भी कारण प्राकृतिक आपदा जैसे तीस्ता नदी क्षेत्र में बार-बार आने वाली बाढ़ या शत्रुतापूर्ण कार्रवाई, से इस मार्ग में व्यवधान उत्पन्न होता है, तो पूरा पूर्वोत्तर भारत मुख्यधारा से कट सकता है, जिससे देश की रक्षा क्षमता पर गंभीर असर पड़ेगा।

भारतीय सेना की योजना किशनगंज के बहादुरगंजझकोचाधामन प्रखंडों में लगभग 250 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर एक अग्रिम सैन्य अड्डा स्थापित करने की है। यह पहल असम के बामुनी, पश्चिम बंगाल के चोपड़ा और किशनगंज में नए सैन्य ठिकानों की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बहुस्तरीय खतरों के खिलाफ त्वरित तैनाती क्षमता को मजबूत करना है। भारतझबांग्लादेशझनेपाल त्रिजंक्शन के निकट स्थित किशनगंज सिलिगुड़ी कॉरिडोर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह कार्य कर सकता है। यहां से सीमा पार गतिविधियों पर निगरानी, तस्करी पर नियंत्रण और संकट के समय मानवीय सहायता को तेजी से पहुंचाना संभव होगा। ये ऐसी भूमिकाएं हैं, जिन्हें भारतीय सेना ने डोकलाम गतिरोध (2017) से लेकर बिहार और बंगाल में बाढ़ राहत अभियानों तक बखूबी निभाया है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस रणनीतिक परियोजना को स्थानीय राजनीति का विषय बना दिया गया है। बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा सैन्य स्थापना पर सवाल उठाना, और अतीत में सर्जिकल स्ट्राइक (2016) व बालाकोट एयरस्ट्राइक (2019) जैसी कार्रवाइयों पर संदेह जताने की पृष्ठभूमि, यह संकेत देती है कि कहीं न कहीं संकीर्ण हित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर हावी हो रहे हैं। ? यह विरोध भी तब हो रहा है जब वहां के स्थानीय किसानों ने पहले जमीन देने के लिए सहमति दे दी, जिलाधिकारी दफ्तर में जाकर जमीन स्थानांतरण पर हस्ताक्षर कर दिया, सेना से इसके लिए जमीन के एवज में भारी रकम ले ली और अब स्थानीय मुस्लिम सांसदों और जनप्रतिनिधियों के उकसावे के बाद सैन्य छावनी बनाने की राह में उग्र प्रदर्शन करते हुए रोड़ा बनकर खड़े हो गए हैं। यह कश्मीर में भारत के खिलाफ दुश्मन देशों के उकसावे पर होने वाले प्रदर्शन रणनीति की तरह ही बेहद चिंताजनक स्थिति बन गई है।

किशनगंज जैसे सीमावर्ती जिले में, जहां जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर पहले से ही संवेदनशीलता है, इस तरह का विरोध भारत की अखंडता के लिए प्रतिकूल संदेश दे सकता है। बांग्लादेश के करीब होने की वजह से यहां 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और स्थानीय मूल निवासी हिंदू समुदाय को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा है। लगातार घुसपैठ यहां न केवल राज्य, बल्कि देश के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। खासकर चिकन नेक के करीब होना, इसे और अधिक चिंताजनक बना रहा है। किशनगंज में जनसंख्या संरचना में आए बदलावों और बांग्लादेश से अवैध आव्रजन के आरोपों ने सुरक्षा चिंताओं को और गहरा किया है। सीमाओं की भौगोलिक जटिलता और प्रशासनिक ढिलाई ने इस समस्या को बढ़ाया है। ऐसे में सैन्य उपस्थिति न केवल सुरक्षा को मजबूती देगी, बल्कि कानून-व्यवस्था और सीमाई निगरानी को भी सुदृढ़ करेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि जहां एक ओर असम में अवैध घुसपैठ के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में अपेक्षित कठोरता की कमी पर सवाल उठते रहे हैं।

सैन्य छावनी का अर्थ केवल हथियारबंद सुरक्षा नहीं है। इसके साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार, आधारभूत ढांचे का विकास, सड़क और संचार सुविधाओं में सुधार तथा आपदा के समय त्वरित राहत जैसी बहुआयामी संभावनाएं जुड़ी होती हैं। 2023 की सिक्किम बाढ़ जैसी घटनाओं में सेना की भूमिका इस बात का प्रमाण है कि स्थायी सैन्य उपस्थिति कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है। एनडीआरएफ विशेषज्ञों और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों का भी मानना है कि किशनगंज जैसे बाढ़-प्रवण क्षेत्र में सेना की मौजूदगी जान-माल की रक्षा में निर्णायक सिद्ध होगी।

खास बात ये है कि वर्तमान समय में भारत जब बांग्लादेश के साथ प्रत्यर्पण समझौतों और संयुक्त गश्त जैसे सहयोगी कदम बढ़ा रहा है, तब किशनगंज में सेना शिविर का निर्माण बिना बाधा आगे बढ़ना चाहिए। तथाकथित राष्ट्रविरोधी आपत्तियों को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो वे देशविरोधी ताकतों का मनोबल बढ़ा सकती हैं। आज आवश्यकता है पारदर्शी संवाद, समावेशी विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता की। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता। किशनगंज में प्रस्तावित सेना छावनी केवल एक सैन्य ढांचा नहीं, बल्कि भारत की एकता, संप्रभुता और भविष्य की सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है।

ट्रंप युग की आक्रामक नीतियां और बदलती वैश्विक व्यवस्था

ग्रीनलैंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि डेनमार्क नाटो का सदस्य और अमेरिका का मित्र राष्ट्र है। किसी मित्र राष्ट्र की संप्रभुता को चुनौती देकर उसके अधीन क्षेत्र को बलपूर्वक अपने अधिपत्य में लेने का प्रयास अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्वीकार्य है। इससे पहले ट्रम्प द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी भी इसी मानसिकता को उजागर करती है।

प्रहलाद सबनानी

हाल के वर्षों में अमेरिकी नीतियों और निर्णयों पर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका एक बार फिर अपनी पुरानी साम्राज्यवादी मानसिकता की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन द्वारा उठाए गए कई कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मर्यादाओं को चुनौती देते हैं, वहीं वैश्विक शक्ति संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को रात्रि में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाने की धमकी और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास इसी साम्राज्यवादी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसी क्रम में अमेरिका की निगाह डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी टिकी हुई है। ग्रीनलैंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि डेनमार्क नाटो का सदस्य और अमेरिका का मित्र राष्ट्र है। किसी मित्र राष्ट्र की संप्रभुता को चुनौती देकर उसके अधीन क्षेत्र को बलपूर्वक अपने अधिपत्य में लेने का प्रयास अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्वीकार्य है। इससे पहले ट्रम्प द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी भी इसी मानसिकता को उजागर करती है। कनाडा भी अमेरिका का घनिष्ठ सहयोगी रहा है, किंतु साम्राज्यवादी सोच के आगे मित्रता और साझेदारी भी गौण हो जाती है।

अमेरिका द्वारा ब्रिक्स देशों भारत, रूस, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी को केवल व्यापारिक नीति के रूप में देखना भूल होगी। यह कदम वास्तव में उभरती बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। ब्रिक्स देशों द्वारा डीडोलराइजेशन की दिशा में उठाए जा रहे कदम, अर्थात आपसी व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग, अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधी चुनौती देते हैं। डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अमेरिका की शक्ति का प्रमुख आधार रही है, और जब यह आधार हिलता है, तो अमेरिका असहज हो जाता है।

ब्रिक्स देशों की बढ़ती आर्थिक साझेदारी, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां और साझा वित्तीय संस्थाएं अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही हैं। इसी कारण अमेरिका न केवल छोटे और निर्भर देशों पर, बल्कि भारत, चीन और रूस जैसे बड़े और आत्मनिर्भर देशों पर भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। किंतु अमेरिका यह भूल जाता है कि जिन देशों की अर्थव्यवस्था, जनसंख्या, संसाधन और बाजार विशाल हैं, वे किसी एक शक्ति के दबाव में आने वाले नहीं हैं।

ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति को यदि ह्लहस्तक्षेपवाद 2.0ह्व कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतिहास गवाह है कि पिछले ढाई सौ वर्षों में अमेरिका ने विश्व के विभिन्न देशों में लगभग 400 बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप किया है। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य कार्रवाई, सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना अमेरिका की नीति का हिस्सा रहा है। आज भी यही प्रवृत्ति नए रूप में सामने आ रही है। भारत और चीन पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण दबाव बनाना इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका अब यह तय करना चाहता है कि कौन सा देश किससे व्यापार करेगा। यह न केवल साम्राज्यवाद, बल्कि अधिनायकवादी मानसिकता की चरम अवस्था है।

अमेरिका द्वारा 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपनी सदस्यता समाप्त करना भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यह कदम वैश्विक सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को कमजोर करता है। अमेरिका अब किसी साझा मंच पर विश्व का नेतृत्व करने के बजाय एकपक्षीय शक्ति मॉडल के माध्यम से विश्व पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर अमेरिका यह संदेश दे रहा है कि वह केवल उन्हीं नियमों को मानेगा जो उसके हित में हों।

वर्तमान में ट्रंप प्रशासन इस बात से भी चिंतित है कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिम से पूर्व की ओर खिसकता जा रहा है। एशियाई देशों की बढ़ती भूमिका, विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तकनीकी क्षमता अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दे रही है। चीन, रूस और भारत का एक साथ उभरना अमेरिका को स्वीकार नहीं है। साथ ही, अमेरिका नहीं चाहता कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाए, यूरोपीय यूनियन स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए या डीडोलराइजेशन को गति मिले।

यूरोपीय यूनियन के देशों में भी अमेरिका के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि वे अपने रक्षा बजट में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहे हैं। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच उत्पन्न तनाव नाटो जैसे सैन्य गठबंधन के अस्तित्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा सकता है। नाटो के कई सदस्य देशों ने स्पष्ट कहा है कि ग्रीनलैंड पर हमला नाटो पर हमला माना जाएगा, जो भविष्य में गंभीर टकराव का संकेत है।आज की वैश्विक परिस्थितियों को एक ह्लसर्वांगी कूटनीतिक युद्धह्व के रूप में देखा जा सकता है। इसमें प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय तेल, मुद्रा, तकनीक, समुद्री मार्ग, सप्लाई चेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे साधनों के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है। अमेरिका चाहता है कि वित्त, व्यापार, सैन्य गठबंधन और तकनीक एक बार फिर उसी की चौखट पर खड़े हों। उसका उद्देश्य तीसरा विश्व युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था का अपने पक्ष में पुनर्गठन है।अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस जैसे मंच से अमेरिका का बाहर निकलना यह दशार्ता है कि वह पर्यावरण और वैश्विक कल्याण जैसे मुद्दों पर भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है। जबकि जलवायु परिवर्तन जैसे संकट से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। भारत और फ्रांस के नेतृत्व में बना यह मंच विकासशील देशों के लिए आशा की किरण है।

आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अकेले चलना संभव नहीं है। परस्पर सहयोग, मुक्त व्यापार समझौते और क्षेत्रीय साझेदारियां ही भविष्य का मार्ग हैं। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व नए समीकरण गढ़ रहा है। यह संकेत है कि यदि अमेरिका अपनी साम्राज्यवादी सोच पर अड़ा रहा, तो वह स्वयं को वैश्विक मंच पर अकेला पा सकता है। यही कारण है कि अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध आज नए वैश्विक समीकरण आकार ले रहे हैं।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ और वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

इंदौर के खजराना का रहस्य

इंदौर का खजराना गणेश मंदिर अटूट श्रद्धा और भव्यता के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। खजराना गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। माना जाता है कि मुगल शासक औरंगजेब से मूर्ति को बचाने के लिए इसको एक कुएं में छिपा दिया गया था। फिर बाद में अहिल्याबाई ने मूर्ति निकलवाकर मंदिर में स्थापित किया था। इस मंदिर से जुड़ी कुई अद्भुत परंपराएं जुड़ी हुई हैं। जिनमें सबसे अनोखी और चर्चित परंपरा है कि भगवान गणेश की पीठ पर 'उल्टा स्वास्तिक' बनाना है। वहीं भक्त दूर-दूर से अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां आते हैं और विशेष अनुष्ठान को करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर और यहां से जुड़ी मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं।

उल्टा स्वास्तिक बनाने की क्या है मान्यता

खजराना गणेश मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाना मन्नत मांगने का एक तरीका माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि अगर कोई भक्त पूरी श्रद्धा के साथ मंदिर की पिछली दीवार पर सिंदूर से उल्टा स्वास्तिक बनाता है, तो उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कठिन कार्य सिद्ध हो जाते हैं। लोग अपनी इच्छाएं और परेशानियां भगवान के चरणों में सौंपने के प्रतीक में उल्टा स्वास्तिक चिह्न बनाते हैं।

वहीं जब भक्त की मुराद पूरी हो जाती है, तो परंपरा के मुताबिक उनको मंदिर में दोबारा आना होता है। वहीं मनोकामना पूरी होने के बाद भक्त भी उसी दीवार पर सीधा स्वास्तिक बनाते हैं। साथ ही भगवान का आभार प्रकट करते हैं। वहीं लोग मोदक या लड्डू का भी भोग लगाते हैं।

क्या है धागा बांधने और परिक्रमा की परंपरा

उल्टा स्वास्तिक बनाने के अलावा इस मंदिर में धागा बांधने की एक प्राचीन परंपरा है। भक्त अपनी मन्नत को पूरा करने के लिए मंदिर की दीवार रक्षा सूत्र बांधते हैं। वहीं मंदिर की तीन परिक्रमा करने का भी महत्व है। माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान और भक्त के बीच गहरा आध्यात्मिक संबंध बन जाता है। वहीं विघ्नहर्ता उनके जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर देते हैं।

क्रिकेट टीम का 'सुपर सिलेक्टर' है मंदिर

बता दें कि इस मंदिर को भारतीय क्रिकेट टीम का 'सुपर सिलेक्टर' भी माना जाता है। जब भी इंदौर में कोई बड़ा मैच होता है, या फिर भारतीय टीम का कोई अहम दौरा होता है, तो कई खिलाड़ी और क्रिकेट प्रेमी यहां पर मन्नत मांगने के लिए आते हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए अक्सर यहां पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो शहर का कोई भी शुभ काम चाहे वह नया व्यापार हो या शादी, खजराना गणेश जी को पहला निमंत्रण दिए बिना अधूरा रहता है।

टिप्स

आपकी मॉर्निंग कॉफी बन सकती है 'जहर'

आज के समय में हर किसी को कॉफी पीना बेहद पसंद है। सुबह कॉफी के बिना नहीं होती है लेकिन आप जिस तरह से कॉफी पी रहे है, क्या वो सही तरीका है। एक हालिए स्टडी में पता चला है कि ज्यादातर लोग कॉफी पीने के सही तरीके को नहीं जानते हैं और इसे गलत तरीक से पीते हैं, तभी उनकी सेहत पर नुकसान पड़ता है। आइए जानते हेल्थ एक्सपर्ट से किस तरह से कॉफी पीना सही होता है?

कॉफी पीना का सही तरीका : दरअसल, Nutrition, Metabolism & Cardiovascular Diseases में प्रकाशित इस स्टडी के मुताबिक सबसे बड़ा स्वास्थ्य कारक कॉफी नहीं, बल्कि उसमें मिलाई जाने वाली चीजें हैं, जो कि शरीर पर होने वाले इसके असर को प्रभावित कर सकती है। शोधकताओं का यह कहना है कि कॉफी में ऐसे यौगिक होते हैं जो एंटीऑक्सीडेंट और सूजन-रोधी गुणों सहित कई संभावित लाभों से जुड़े हैं। हालांकि, समस्या तब उत्पन्न होती है जब कॉफी को डिजर्ट यानी मिठाई में बदल दिया जाता है जैसे कि-

- चीनी वाली कॉफी
- फ्लेवर्ड सिरप वाली कॉफी
- व्हीप्ड क्रीम वाली कॉफी
- हैवी क्रीम वाली कॉफी

इस तरह की सभी कॉफी में कैलोरी अधिक हो जाता है और ये हाई शुगर वाले ड्रिंक में बदल जाते हैं, जिससे इसके अधिकांश लाभ खत्म हो जाते हैं।

सही समय पर पिएं कॉफी : इस शोध में बताया गया है कि कॉफी पीने का सही समय सेहत के लिए बेहद अहम होता है। बहुत सुबह या दिन के आखिरी हिस्से में कॉफी पीने से शरीर के प्राकृतिक हार्मोन चक्र और नींद की गुणवत्ता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसका परिणाम खराब नींद, मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी और शरीर में सूजन के रूप में सामने आ सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

हमारा संकल्प सुरक्षित सशक्त महिला सशक्त झारखंड

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहलःहमारा संकल्प सुरक्षित एवं सशक्त महिला, सशक्त झारखंडह्व अभियान के तहत मंगलवार को राजमहल टाउन हॉल में अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों की जानकारी और संस्थागत समन्वय को मजबूत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं परिचय सत्र आयोजित हुआ। जिसके बाद बाल विवाह मुक्त भारत रथ को अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, सीडीपीओ विमलेश त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर गांव एवं ग्रामीणों के बीच रथ के जरिए

जागरूकता का संदेश के उद्देश्य से रवाना किया।मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लमहिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की सोच बदलने की प्रक्रिया है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि हर महिला खुद को सुरक्षित महसूस करे और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनेह्व वहीं एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कहा कि ह्लमहिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर रोक तभी संभव है, जब समाज, पुलिस और प्रशासन एक साथ मिलकर काम करें। किसी भी तरह की हिंसा या शोषण को छुपाने के बजाय तुरंत रिपोर्ट करना जरूरी है।प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी कार्यशाला में पतना बीडीओ सह सीओ देवेश द्विवेदी, उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत तिवारी, राजमहल बीडीओ सह सीओ मो. युसुफ, तालझारी बीडीओ सह सीओ सहित कई प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। पुलिस विभाग की ओर से इंस्पेक्टर राजीव रंजन, थाना प्रभारी नितेश पांडेय, थाना प्रभारी हसनैन अंसारी एवं थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में मंथन के जिला समन्वयक ने बच्चों और किशोरियों की सुरक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम एवं यौन शोषण से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। चाइल्ड लाइन के मो. इकबाल ने आपात स्थिति में 1098 हेल्पलाइन के उपयोग पर जोर दिया। यूनिसेफ के मुकेश तिवारी जिला समन्वयक, कार्यक्रम पदाधिकारी मो. खालिद, गैर संस्थागत देखरेख की चंदा कुमारी एवं मीना कुमारी ने प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से जागरूक किया। कार्यशाला के दौरान महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, बाल संरक्षण, महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग एवं त्वरित न्याय प्रक्रिया जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की हिंसा या शोषण की स्थिति में चुप न रहें और संबंधित विभागों से तुरंत संपर्क करें। विदित हो की बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता रथ टाउन हॉल से चलकर, इंग्लिश बाजार,राय बाजार,कसवा गांव से होते नौगाछी गांव , मंगलहट चौक, से होते हुए सुखसेना गांव, पथराई बोला, जोगीचक, सरकंडा, पंचकठिया,मोखिमपुर होते हुए अन्य कई गांव में रथ ने जागरूकता करने का कार्य किया।

साइकिल चालकों को सुरक्षित सड़क पर चलने के लिए किया प्रेरित

संवाददाता

साहिबगंजःराष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में सिख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन थीम के साथ 20वें दिन साइकिल चालकों के बीच विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम साहिबगंज जिले के प्रमुख स्थलों रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर आयोजित हुआ।कार्यक्रम के दौरान साइकिल चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। सुरक्षित रूप से सड़क पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। रात्रि अंधेरे व कोहरे में दुर्घटनाओं से बचाव हेतु साइकिल के आगे-पीछे रिफ्लेक्टिव टेप परावर्तक पट्टी लगाने की अनिवार्यता पर विशेष जोर दिया गया।जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया

कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने वाले नेक नागरिकों को गुड सेमेरिटन पॉलिसी के अंतर्गत सरकार द्वारा ?25,000 की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इसलिए बिना किसी भय के मानवता का परिचय देते हुए सहायता करनी चाहिए। सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट एवं बुकलेट का वितरण कर आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह केवल दुर्घटना के आंकड़े कम करने का प्रयास नहीं बल्कि जीवन के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का संदेश है।कार्यक्रम में एम.भी.आई. कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस अभिषेक वत्स कार्तिक कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

आंध्र एसोसिएशन इंग्लिश स्कूल में वार्षिक खेल दिवस आयोजित

पूर्वी सिंहभूम : कदमा स्थित आंध्र एसोसिएशन इंग्लिश स्कूल की ओर से वार्षिक खेल दिवस 2026 का आयोजन बुधवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में खेलों के प्रति गजब का उत्साह देखने को मिला और पूरे दिन खेल परिसर ऊर्जा, अनुशासन और खेल भावना से सराबोर रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विनय आहूजा थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। साथ ही उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।
खेल दिवस का शुभारंभ आकर्षक और अनुशासित मार्च पास्ट से हुआ, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद विभिन्न आयु वर्ग के छात्रों के लिए ट्रैक एवं फील्ड से संबंधित कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

दुर दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है : डीसी

संवाददाता

साहिबगंजःसमाहरणालय परिसर से आज आकांक्षी जिला मद से संचालित मोबाइल ओपीडी वैन को उपायुक्त हेमंत सती द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह मोबाइल ओपीडी वैन जिले के सुदूरवर्ती और दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर आमजनों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी व आवश्यक दवाइयों का वितरण भी करेगी।दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुलभ सस्ती समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुझू कुमार मिश्रा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मोबाइल ओपीडी वैन के माध्यम से अधिकतम जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा नियमित रूप से भ्रमण कार्यक्रम तैयार कर सेवा प्रदान की जाए।

स्वास्थ्य विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले केउप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न सूचकांकों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं अस्पताल प्रबंधक को मैटरनल डेथ के कारणों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिले में संचालित कुल 63 ममता वाहनों की संख्या में वृद्धि करने का निर्देश भी दिया गया, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया जा सके। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थापित VLE के माध्यम से पंचायत-वार कैंप लगाकर ई-केवाईसी कराने हेतु सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त 30 जनवरी 2026 से संचालित कुष्ठ निवारण अभियान की प्रगति एवं आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघर : समाहरणालय के सभागार कक्ष में जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी

समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात्अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

जनता दरबार में जिला प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग ओम प्रियदर्शी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

संवाददाता

दुमका : गणतंत्र दिवस 2026 के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने मंगलवार को पुलिस लाइन मैदान में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आयोजन स्थल पर की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त श्री सचान ने निर्देश दिया कि गणतंत्र दिवस समारोह से संबंधित सभी तैयारियां ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर रंग-रोगन, बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही शहर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने

का निर्देश दिया गया, ताकि समारोह के दौरान स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बना रहे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आकर्षक साज-सज्जा, आवश्यक साइनेज के अधिष्ठापन तथा आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्गदर्शन संकेतों की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि गणतंत्र दिवस पर प्रस्तुत की जाने वाली झांकियों का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर लिया जाए, ताकि कार्यक्रम के दिन किसी प्रकार की असुविधा न हो। उप विकास आयुक्त श्री सचान ने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय एवं सफल बनाने की अपील की।

भाजपा नगर मंडल की आयोजित महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

संवाददाता

बासुकीनाथ : प्रसिद्ध तीर्थ नगरी बाबा बासुकीनाथ धाम स्थित गणपति पैलेस में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित बासुकीनाथ नगर मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक पार्टी की अध्यक्षा पूनम देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई. आगामी 25 जनवरी 2026 को झारखंड प्रदेश भाजपा के नव निर्वाचित अध्यक्ष आदित्य साहू का दुमका आगमन होना तय है. उनके कार्यक्रम में शामिल होकर उनका अभिनंदन जताने हेतु बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में मुख्य रूप से पूर्व लोकसभा सांसद सुनील सोरेन, झारखंड सरकार के पूर्व कृषि मंत्री रणधीर कुमार सिंह, पार्टी के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल, झारखंड प्रदेश के भाजपा प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा, पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष निवास मंडल, कार्यक्रम के सह प्रभारी मनोज कुमार साह एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष स्वरूप कुमार सिन्हा,मनोरमा देवी , आनंदी देवी झा,मनमोहन झा, बालमुकुंद ठाकुर, रमेश कुमार मिश्रा, राजेश गुप्ता, रंजीत कुमार पांडेय ,संदीप कुमार पांडेय और सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने बैठक में भाग लिया। मंच का संचालन पूर्व नगर अध्यक्ष स्वरूप कुमार सिन्हा ने किया.

न्यूज IN ब्रीफ

सरकार के निर्धारित मानकों के अनुरूप समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं : हेमंत सती

साहिबगंज :जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा आज स्नेह स्पर्श वृद्ध आश्रम एवं बाल गृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आश्रम एवं बाल गृह में रह रहे वृद्धजनों एवं बच्चों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।उपायुक्त ने भोजन व्यवस्था, आवासीय सुविधा, स्वच्छता स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा व्यवस्था व बच्चों के शैक्षणिक मानसिक विकास से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लाभार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि वृद्धजनों एवं बच्चों की देखभाल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवश्यक सुधारात्मक कदम अविलंब उठाने तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये गये।मौके पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी आश्रम एवं बाल गृह के प्रभारी सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

लंबित आरओबी निर्माण की दिशा में पहल शुरू

साहिबगंजः झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के आह्वान पर रेलवे के विकास सुविधा विस्तार को लेकर पत्थर व्यवसायियों द्वारा किया जा रहा आंदोलन अब असर दिखाने लगा है। साहिबगंज जिले में पश्चिमी और पूर्वी रेलवे फाटक सहित रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर 16 जनवरी से आंदोलन जारी है।आंदोलन के चौथे दिन मंगलवार को इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला,जब मालदा रेलवे डिवीजन के इंजीनियरों ने साहिबगंज के पश्चिमी रेलवे फाटक के समीप प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज आरओबी निर्माण को लेकर जमीन मापी का कार्य किया।जिला प्रशासन के सहयोग से की गई इस मापी कार्य में रेलवे विभाग के इंजीनियरों के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के इंजीनियर जिला प्रशासन के पदाधिकारी सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइंद भी उपस्थित रहे। जमीन मापी की प्रक्रिया शुरू होने से यह संकेत मिल रहा है कि लंबे समय से लंबित आरओबी निर्माण की दिशा में अब ठोस पहल की जा रही है।गौरतलब है कि पत्थर व्यवसायियों का कहना है कि रेलवे फाटकों के कारण आवागमन बाधित होता है,जिससे व्यवसाय और आम जनजीवन प्रभावित होता है।

विधायक धनंजय सोरेन ने विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

साहिबगंज :बोरियो विधानसभा के झामुमो विधायक धनंजय सोरेन ने मंगलवार को मंडरो प्रखंड में विधायक निधि व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया।उन्होंने विधायक निधि से दो योजनाओं का शिलान्यास किया।इसके बाद मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत करमटोला रेलवे स्टेशन से रक्सीस्थान तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया,जिसकी कुल लागत ?2 करोड़ 75 लाख 44 हजार है।वहीं विधायक निधि से तेतरिया एवं लोहड़बेड़ा गांव में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य ?6 लाख का भी शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि वे क्षेत्र की जनता के साथ हमेशा खड़े रहेंगे।उन्होंने कहा कि हर सरकारी योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता है।क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है और आगे भी विकास कार्यों की गति तेज रहेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिले से 8 कुश्ती खिलाड़ी राष्ट्रीय अंडर 14 कुश्ती प्रतियोगिता के लिए रवाना

साहिबगंज :स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नई दिल्ली में 31जनवरी से 4 फरवरी तक आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती एस जी एफ आई प्रतियोगिता,अंडर 14 आयु वर्ग बालक एवं बालिका फ्री स्टाईल कुश्ती में भाग लेने के लिए जिले के चांद भैरव इनडोर स्टेडियम साहिबगंज के संचालित खेलो इंडिया कुश्ती केंद्र के प्रशिक्षु बालिका फ्री स्टाईल 33 किलो वर्ग - आर्या कुमारी,36किलो वर्ग- सीता कुमारी,39 किलो वर्ग सीमा कुमारी,42 किलो वर्ग काजल कुमारी,46 किलो वर्ग छोटी कुमारी, 54 किलो वर्ग वैष्णवी कुमारी,58 किलो वर्ग आरती कुमारी बालक वर्ग 68किलो वर्ग प्रिंस कुमार रांची में 21 से 30 जनवरी तक आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए रांची रवाना हुए। विशेष प्रशिक्षण शिविर उपरांत नई दिल्ली में आयोजित कुश्ती चैंपियनशिप में भाग लेंगे।सभी कुश्ती खिलाड़ियों व प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल को उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आई टी डी ए संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

26 जनवरी के तैयारी को लेकर हुई बैठक

साहिबगंज/बरहेट :झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी की अध्यक्षता मे बैठक आयोजित की गई।बैठक में सर्वप्रथम 26 जनवरी के तैयारी को लेकर चर्चा किया गया हर बार की भांति इस बार भी झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में 8:30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा।प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि 2 फरवरी झारखंड मुक्ति मोर्चा स्थापना दिवस इस बार भव्य तरीके से मनाया जाएगा।सभी कार्यकर्ता इसकी तैयारी में लग जाए।अपने-अपने पंचायत के सभी गांव मोहल्ले में डुगडुगी बजाकर लोगों को 2 फरवरी को दुमका चलने का न्योता दे।झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी द्वारा बी ऐल ए चयन पर विस्तृत चर्चा किया एवं कार्यकताओं को ऐस आई आर में इसके महत्व के बारे में जानकारी दिए।मौके पर जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मोहम्मद अली,जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम,पुसा टुडू,जिप सदस्य जेठा मुर्मू,एजाज अंसारी,सुनिराम हांसदा,लुखिराम हेंब्रम,समदा सोरेन,सुनील सोरेन,चारलेश सोरेन,रेजाउल रहमान,मिराज हक,जिसू मरांडी,बाबुधन टुडू,मुश्ताक अंसारी सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष सचिव एवं सम्मानित कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

जब 4 साल की उम्र में फातिमा सना शेख को

सेट पर पड़ी थी जोरदार डांट

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म 'चाची 420' में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ 'चाची 420' के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि 'ऐसे ही रोना चाहिए था।' सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी।

मिर्जापुर द फिल्म' : मौत के मुंह से वापस आएगा ये किरदार

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म 'चाची 420' में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ 'चाची 420' के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि 'ऐसे ही रोना चाहिए था।' सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए। फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए।

इस एक्ट्रेस के साथ हुई थी घिनौनी हरकत

आत्महत्या के ख्याल आए : पार्वती

कई एक्ट्रेसेस ने अपने साथ हुए उत्पीड़न को लेकर खुलकर बात की है। हाल ही में इरफान खान और धनुष जैसे एक्टर्स के साथ अभिनय कर चुकीं एक्ट्रेस ने भी अपने साथ हुए बुरे अनुभवों को साझा किया है।

साल 2017 में एक हिंदी फिल्म में 'करीब करीब सिंगल' में पार्वती थिरुवोथु ने इरफान खान संग काम किया था। साथ ही वह साउथ एक्टर धनुष के साथ भी 'मर्यान' जैसी चर्चित फिल्म कर चुकी हैं। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए असॉल्ट पर खुलकर बात की। पार्वती ने एक पॉडकास्ट में अपने साथ हुए असॉल्ट को लेकर बुरे अनुभव साझा किए। साथ ही डिप्रेशन से जूझने का जिक्र भी किया। इन वजहों से उनकी जिंदगी पर बुरा असर पड़ा, इस पर पार्वती थिरुवोथु ने विस्तार से बातचीत की है।

कब हुई असॉल्ट का शिकार?

हॉटरफ्लाई के मेल फेमिनिस्ट पॉडकास्ट पर पार्वती थिरुवोथु ने अपने साथ हुए बुरे अनुभवों का जिक्र किया। वह बताती हैं; 'जब छोटी थी तो अपने पापा के साथ रेलवे स्टेशन पर जा रही थी, अचानक सामने से एक आदमी आया, उसने मेरी चेस्ट (छाती) पर बहुत जोर का हाथ मारा। उनसे इतनी जोर की हाथ मारा था कि मुझे दर्द हुआ। साथ ही मैं अंदर तक घबरा गई। ऐसी कई घटनाएं और भी हुईं, जब किसी व्यक्ति ने पब्लिक प्लेस पर ही अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया। यहां तक की गलत तरीके से टच करने वाले लोगों में, कुछ करीबी भी शामिल रहे। इन घटनाओं ने मेरी मेंटल हेल्थ पर असर डाला। मैं डिप्रेशन की शिकार हुई। यहां तक की आत्महत्या के ख्याल भी आए। मुझे लगा कि कोई मेरी मदद नहीं कर सकता है।'

कौन हैं पार्वती थिरुवोथु?

पार्वती थिरुवोथु ने मलयालम और तमिल फिल्मों में ज्यादा काम किया है। उन्हें कई अवॉर्ड मिले हैं, जिनमें एक नेशनल फिल्म अवॉर्ड, दो केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड और पांच फिल्मफेयर अवॉर्ड (साउथ) शामिल हैं। हिंदी फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में वह इरफान खान के अपोजिट नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया था।

'बॉर्डर 2' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे अहान शेट्टी

अभिनेता अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। अहान अपने पिता सुनील शेट्टी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अहान शेट्टी लगभग चार साल से भी अधिक समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'बॉर्डर 2' अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जानिए आखिर क्यों चार साल बड़े पर्दे से दूर रहे अहान शेट्टी? 'बॉर्डर 2' से जबसे अहान का लुक और फिल्म का टीजर सामने आया है, तबसे ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। 'बॉर्डर 2' में अहान भारतीय नौसेना के ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका निभा रहे हैं। इस किरदार में फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ आन्या सिंह नजर आएंगी। अहान शेट्टी फिल्मों से भले ही चार साल से दूर हों, लेकिन वो चर्चाओं में रहे हैं। अक्सर कम पब्लिक अपीयरेंस और सोशल मीडिया एक्टिविटी के बावजूद फैंस अहान की चर्चा करते रहते हैं और उनके काम का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, हाल ही में अहान ने चार साल बड़े पर्दे से दूर रहने के कारण के बारे में भी बताया था। 'बॉर्डर 2' के टीजर लॉन्च के दौरान अहान शेट्टी ने यह बताया था कि वो एक कॉन्ट्रैक्ट के चलते चार साल तक किसी फिल्म में काम नहीं कर पाए। इसके चलते वो डेब्यू फिल्म के बाद बड़े पर्दे से दूर रहे। इंडस्ट्री में कॉन्ट्रैक्ट के चलते एक्टर-एक्टर्स किसी और फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते हैं। अहान भी इसी के चलते चार साल फिल्मों से दूर रहे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026: टॉप सीड सबालेंका ने बाई को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने संघर्षपूर्ण शुरूआत के बावजूद चीन की बाई झुओशुआन को 6-3, 6-1 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला बुधवार को रॉड लेवर एरिना में खेला गया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरूआत करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद उनका खेल अचानक लड़खड़ा गया। बाई झुओशुआन ने न केवल अपनी सर्विस होल्ड की बल्कि सबालेंका की सर्विस भी ब्रेक कर लगातार तीन गेम जीत लिए। इससे मुकाबले में कुछ समय के लिए तनाव बढ़ गया और सबालेंका भी कोर्ट पर काफी परेशान नजर आईं। हालांकि, अनुभव का फायदा उठाते हुए 27 वर्षीय बेलारूसी खिलाड़ी ने अंत में पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट की शुरूआत में सबालेंका ने खुद को संभाला और फिर दोनों खिलाड़ियों के बीच स्तर का अंतर साफ नजर आने लगा। उन्होंने लगातार चार गेम जीतकर मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली और आसानी से सेट जीतते हुए मुकाबला समाप्त किया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, ह्लवह एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी थीं। पहले सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाया और कुछ समय के लिए मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहला सेट जीतने में सफल रही, इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने आगे कहा, हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है, लेकिन सबसे अहम बात यह रही कि मैंने अपना फोकस नहीं खोया। मैं खुद से कहती रही कि एक-एक पॉइंट पर ध्यान दो और लड़ते रहो।

तीसरे दौर में अब सबालेंका का सामना ब्रिटेन की एमा राडुकानू और ऑस्ट्रिया की अनास्तासिया पोटापोवा के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26: एमबाप्पे और विनीसियस के दम पर रियल मैड्रिड ने मोनाको को 6-1 से रौंदा

एजेंसी

मैड्रिड : यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 में रियल मैड्रिड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सैंटियागो बर्नबाउ में मोनाको को मंगलवार देर रात 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले में किलियन एमबाप्पे ने दो गोल दागे, जबकि विनीसियस जूनियर ने एक शानदार सोलो गोल करने के साथ दो गोल में अहम भूमिका निभाई। मैच की शुरूआत से ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। पांचवें मिनट में एमबाप्पे ने फ्रांको मास्टानतुओनो की शानदार दौड़ के बाद मिले पास पर लो फिनिश के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। 26वें मिनट में उन्होंने तेज काउंटर अटैक पर एक और गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरूआत में भी रियल का दबदबा जारी रहा। 51वें मिनट में विनीसियस ने बीच से शानदार रन लेते हुए मास्टानतुओनो को सटीक थ्रू पास दिया, जिस पर उन्होंने पहली ही टच में गेंद को जाल में पहुंचा दिया। इसके चार मिनट बाद विनीसियस के लो क्रॉस को मोनाको के डिफेंडर थिलो केहरर ने अनजाने में अपने ही गोल में डाल दिया, जिससे स्कोर 4-0 हो गया। 63वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने मैच का सबसे बेहतरीन गोल किया। उन्होंने बॉक्स के अंदर तीन डिफेंडरों को छकाते हुए जोरदार शॉट टॉप कॉर्नर में दागा। यह उनका अक्टूबर की शुरूआत के बाद सैंटियागो बर्नबाउ में पहला गोल था, जिसे देखकर पूरा स्टेडियम उनके नाम के नारे लगाने लगा। 72वें मिनट में मोनाको को एक सांत्वना गोल मिला, जब जॉर्डन टेजे ने रियल की गलती का फायदा उठाते हुए थिबो कूर्तुआ को छकाया। हालांकि, रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुका। 80वें मिनट में फेडरिको वाल्वर्डे के पास पर जुड बेलिंघम ने शानदार तरीके से गोल कर स्कोर 6-1 कर दिया।

इस बड़ी जीत के साथ रियल मैड्रिड 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वह बायर्न म्यूनिख के बराबर अंकों पर है और शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल से छह अंक पीछे है।

लिजेल ली पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना और एक डिमेरिट अंक

नई दिल्ली : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की खिलाड़ी लिजेल ली पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लिजेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 11वें ओवर में हुई, जब लिजेल ली को अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। गेंद लेग साइड पर थी और फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में ली का संतुलन बिगड़ गया। विकेटकीपर रहिला फिरदौस ने तेजी से स्टंपिंग की। इसके बाद मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर की मदद ली और स्टंप कैमरे समेत विभिन्न एंगल से जांच की गई। रीप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला सुनाया कि जब बेल्स गिरीं, उस समय लिजेल ली का बल्ला हवा में था, जिसके चलते उन्हें आउट करार दिया गया। उस समय ली 28 गेंदों पर 46 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी कर रही थीं। आउट दिए जाने के बाद लिजेल ली फैसले से काफी नाराज नजर आईं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने असंतोष जाहिर किया और निर्णय के बाद भी अपनी नाराजगी व्यक्त करती रहीं। लीग की मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, लिजेल ली ने आचार संहिता के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार कर लिया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के दुरुपयोग से जुड़ा है।

लेवल-1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

डब्ल्यूपीएल 2026: जेमिमा रोड्रिग्स की फिफ्टी से दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार वापसी करते हुए मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया और अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। वडोदरा में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 154 रन बनाए थे, जिसे दिल्ली ने 6 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शेफाली वर्मा और लिजेल ली ने बेहतरीन शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच 63 रनों की ओपनिंग साझेदारी हुई। शेफाली 29 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि 11वें ओवर में लिजेल ली का रन आउट मैच का सबसे बड़ा विवाद बन गया। रन आउट की अपील पर थर्ड अंपायर ने टीवी रीप्ले देखा, जिसमें एक एंगल पर ली का बल्ला जमीन पर टिका दिखा, जबकि दूसरे एंगल में बल्ला हवा में था। थर्ड अंपायर ने दूसरे एंगल को आधार बनाते हुए लिजेल ली को आउट करार दिया, जिस पर काफी चर्चा हुई। इसके बाद दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी संभाली और दबाव के बीच संयमित बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने सूझबूझ भरे शॉट्स और तेज रनिंग के दम पर टीम को जीत दिलाई। दिल्ली ने 19 ओवर में 155 रन बनाकर मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। इससे पहले मुंबई इंडियंस की ओर से नैट साइवर-ब्रंट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 65 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 रन बनाए। दोनों के बीच अहम साझेदारी हुई, जिसके दम पर मुंबई सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने अंक तालिका में बड़ी छलांग लगाई है। इस मैच से पहले दिल्ली पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे थी, लेकिन अब 5 मैचों में 2 जीत के साथ उसके 4 अंक हो गए हैं और टीम चौथे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात जायंट्स फिलहाल सबसे नीचे बनी हुई है। वहीं इस हार से मुंबई इंडियंस की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, लेकिन उसके नेट रन रेट को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। उधर, आरसीबी लगातार 5 मैच जीतकर पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम में मप्र के विकास एजेंडे को करेंगे साझा

✔ दावोस में मध्य प्रदेश के लिए वैश्विक साझेदारी का निर्णायक दिन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को स्वीट्जरलैंड के दावोस शहर में आयोजित वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के वैश्विक मंच पर प्रदेश की निवेश, नीति और उपलब्ध निवेश अवसरों को साझा करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव दावोस में वैश्विक मंच पर औद्योगिक निवेश, उन्नत तकनीक, पर्यटन, स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और रक्षा उत्पादन जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में राज्य की तैयारियों, नीतिगत स्पष्टता और दीर्घकालिक विकास के विजन की विस्तार से जानकारी देंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण सेक्टर्स में अंतरराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ एमओयू होंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उच्च स्तरीय संवादों में सहभागिता करेंगे, जिनमें यूटिलिटी-स्केल ऊर्जा संक्रमण, निवेश जोखिम न्यूनीकरण और उप-राष्ट्रीय सरकारों की भूमिका पर केंद्रित सत्र शामिल हैं। इन संवादों के माध्यम से राज्य में ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं, निजी निवेश को प्रोत्साहन और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मध्यप्रदेश मॉडल को वैश्विक निवेशकों और नीति-निमार्ताओं के समक्ष रखा जाएगा। इसके साथ ही पर्यटन क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश की उभरती संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। ह्यरी-इमैजिनिंग टूरिज्म एट स्केल विषयक विशेष सत्र में संस्कृति, विरासत, नवाचार और कनेक्टिविटी के समन्वय से पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के सशक्त माध्यम के रूप में आगे बढ़ाने की रणनीति पर अंतरराष्ट्रीय हॉस्पिटैलिटी, एविएशन, टूरिज्म फोरम और क्रिएटिव इंडस्ट्री से जुड़े वैश्विक प्रतिनिधियों के साथ संवाद होगा। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस, हेल्थकेयर, एफएमसीजी, एविएशन और उभरती तकनीकों से जुड़े वैश्विक उद्योग नेतृत्व के साथ लक्षित वन-टू-वन बैठकें होंगी। इन बैठकों का उद्देश्य मध्य प्रदेश में निवेश के ठोस अवसरों, दीर्घकालिक औद्योगिक सहयोग और रोजगार सृजन की संभावनाओं को आगे बढ़ाना है। इसके साथ ही ह्यइन्वेस्ट इन इंडियाः मध्य प्रदेशह्ण ए स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट हबह्ण सत्र के माध्यम से राज्य की औद्योगिक क्षमता, इंफ्रॉस्ट्रक्चर रेडीनेस और सेक्टर-फोकस्ड नीतियों को वैश्विक निवेशकों के समक्ष रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औपचारिक सत्रों के साथ संवाद, उद्योग जगत के साथ राउंड टेबल चचार्एं, नेटवर्किंग मीटिंग और वैश्विक राजनीतिक प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

विरासत, विकास और निवेश के अवसरों के संगम से उभरता मध्य प्रदेश

जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने बताया कि देश का हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। प्रदेश, प्रकृति की अनुपम सुंदरता, समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, गहन आध्यात्मिक आस्था और विविध वन्य जीवों का अद्भुत संगम है।

युवतियों से दोस्ती कर धर्म परिवर्तन के आरोप में दो गिरफ्तार, तीन जिम सील

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में जिम में दोस्ती के नाम पर युवतियों को बहलाकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के गंभीर आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तीन जिम भी सील कर दिए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रितेश सिंह ने बताया कि थाना कोतवाली देहात में दो अलग-अलग पीड़िताओं ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ युवक पहले दोस्ती करते हैं, फिर उन्हें बरगलाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाते हैं। तहरीर मिलने के बाद तत्काल मुकदमा दर्ज कर क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में एसओजी, कोतवाली कटरा, नगर और कोतवाली देहात की संयुक्त चार टीमों का गठन किया गया। मंगलवार रात कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मोहम्मद शेख अली आलम निवासी नटवां मिल्लत नगर और फैजल खान निवासी गोसाई तालाब, थाना कोतवाली शहर को गिरफ्तार किया। पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जहीर और सादाब को भी हिरासत में लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी जहीर केजीएन-1 जिम का मालिक है और केजीएन-2, केजीएन-3 व आयरन फायर जिम से भी जुड़े रहे हैं। पीड़िताएं पहले केजीएन जिम में जाया करती थीं।

न्यूज IN ब्रीफ

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज की ताजा रिपोर्ट ने संघीय सरकार की शिक्षा आपात नीति की पोल खो दी है रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 2.5 करोड़ (25 मिलियन) बच्चे अभी भी स्कूल से बाहर हैं।देश में शिक्षा पर कुल खर्च 50 करोड़ (500 बिलियन रुपये) तक पहुंच गया है। इस खर्च का बड़ा हिस्सा अब सरकार के बजाय आम पाकिस्तानी परिवार उठा रहे हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार है कि शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकार के शिक्षा बजट से ज्यादा हो गया है। रिपोर्ट के 15वें संस्करण के अनुसार, 25 मिलियन से ज्यादा बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। आंकड़े बताते हैं कि जनता शिक्षा पर 280 अरब रुपये खर्च कर रही है, जबकि सरकारी निवेश घटकर 220 अरब रुपये हो गया है। नतीजतन, शिक्षा का 56 प्रतिशत वित्तीय बोझ जनता उठा रही है और सिर्फ 44 प्रतिशत सरकार उठा रही है। माता-पिता प्राइवेट स्कूलों की फीस पर 1,31,000 करोड़ रुपये , कोचिंग और ट्यूशन पर 613 अरब रुपये और शिक्षा से जुड़े अन्य निजी खर्चों पर 878 अरब रुपये खर्च करने के लिए मजबूर हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज के कार्यकारी निदेश डॉ. सलमान हुमायूं ने कहा कि जब शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकारी निवेश से ज्यादा हो जाता है, तो यह एक गंभीर समानता संकट का संकेत देता है। विश्व बैंक की वरिष्ठ शिक्षा विशेषज्ञ अजा फारुख के अनुसार, प्राइवेट स्कूलों का बढ़ता चलन इस बात का सबूत है कि परिवार सरकारी शिक्षा के दायरे से बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं।

नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपित के घर पर चला निगम का बुलडोजर

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपित अधेड़ के अवैध रूप से बने घर को नगर निगम की टीम ने आज बुधवार की सुबह बुलडोजर से तोड़ दिया है इस दौरान पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने 65 साल के आरोपित अब्दुल सज्जाद अंसारी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है। पिछले सप्ताह महापौर मीनल चौबे ने स्वयं मौके पर जांच किया था जिसमें आरोपित का मकान नगर निगम के नियमों के विपरीत अवैध रूप से निर्मित है। इसके बाद निगम ने नियमानुसार अवैध निर्माण हटाने की नोटिस जारी किया था, जिसके बाद आज नगर निगम की टीम ने आरोपित के घर को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। दुष्कर्म के आरोपित के घर को तोड़ने का यह राजधानी रायपुर में पहली निगम की पहली कार्रवाई है।

अगले 24 घंटे के दौरान बिहार के कई हिस्सों में मध्यम बारिश की संभावना

पटना : भारतीय मौसम विभाग के पटना केंद्र के मुताबिक राज्य के कई हिस्सों में आगामी 24 घंटे के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बारिश के बाद अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट संभव है। इससे सुबह और रात में ठंड का असर ज्यादा महसूस होगा। राजधानी पटना में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश के आसार हैं। गया और मुजफ्फरपुर में बूंदाबांदी के साथ ठंडी हवाएं चल सकती हैं। भागलपुर और दरभंगा में भी तापमान गिरने से सर्दी बढ़ने का अनुमान है। उत्तर बिहार के जिलों में नमी बढ़ने से कोहरा और धुंध की संभावना है. दक्षिण बिहार में बारिश के बाद ठिठुरन ज्यादा महसूस हो सकती है। नदी और खुले इलाकों में ठंड का असर अपेक्षाकृत अधिक रहेगा। मकर संक्रांति के बाद ठंड धीरे-धीरे ढलान की ओर बढ़ने लगती है लेकिन बारिश से ठंड फिर से बढ़ने लगेगी। ठंड बढ़ने से सुबह-शाम की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ेगा। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बारिश और तापमान गिरावट का असर रबी फसलों पर पड़ सकता है। पटना मौसम विभाग ने किसानों को मौसम देखकर सिंचाई, कटाई और छिड़काव करने की सलाह दी है। अचानक बारिश की स्थिति में फसलों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया है। अगले 48 से 72 घंटे बिहार में मौसम बदला-बदला रह सकता है। कहीं हल्की बारिश तो कहीं बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवाती हवा का परिसंचरण दक्षिण पूर्वी बंगाल और बंगाल की खाड़ी में समुद्र तल से 3.1 किमी होने के चलते ऊपरी हवाएं तेज रफ्तार में चलेंगी।इस वजह से भी ठंड बढ़ने का पूवार्नुमान है।

जम्मू-कश्मीर में कैंसर से होने वाली मौतें संघर्ष में हुई मौतों से कहीं अधिक-वहीद पारा

श्रीनगर : पीडीपी विधायक वहीद पारा ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में दशकों के संघर्ष की तुलना में कैंसर से कहीं अधिक लोगों की जान गई है। उन्होंने इसे एक गंभीर जन स्वास्थ्य और शासन संकट बताया जिसके लिए सरकार के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पारा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में लगभग 67,000 लोगों की कैंसर से मृत्यु हुई है जबकि पिछले तीन दशकों में संघर्ष के कारण लगभग इतनी ही मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा, ₹जम्मू-कश्मीर में कैंसर संघर्ष की तुलना में 300 गुना अधिक लोगों की जान ले रहा है।₹ जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पुलवामा का प्रतिनिधित्व करने वाले पारा ने कहा कि स्थानीय अस्पतालों पर बढ़ते दबाव और सीमित उपचार क्षमता के कारण परिवारों - विशेष रूप से गरीब पृष्ठभूमि के लोगों को इलाज के लिए क्षेत्र से बाहर जाने के लिए जमीन और अन्य संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पारा ने कहा, ₹सबसे बड़ी चुनौतियाँ अक्सर वे होती हैं जिन्हें हम देख नहीं पाते,₹ और उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को स्वास्थ्य आपातकाल और शासन की विफलता दोनों के रूप में देखने का आग्रह किया। अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को टैग करते हुए पारा ने कहा कि प्रशासन को जम्मू और कश्मीर में कैंसर देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए ताकि अनावश्यक मौतों और मरीजों के परिवारों के बीच आर्थिक तंगी को रोका जा सके।

सरकार ने डोडा के सरकारी डिग्री कॉलेज में छात्र की कथित आत्महत्या की जांच के आदेश दिए; सहायक प्रोफेसर निलंबित

डोडा : जम्मू-कश्मीर उच्च शिक्षा विभाग ने एक सरकारी आदेश के अनुसार 16 जनवरी, 2026 को डोडा के सरकारी डिग्री कॉलेज में एक छात्र द्वारा कथित आत्महत्या की घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। आदेश में कहा गया है, ₹यह आदेश दिया जाता है कि उच्च शिक्षा विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की एक समिति का गठन डोडा के सरकारी डिग्री कॉलेज में 16 जनवरी,2026 को एक छात्र द्वारा कथित आत्महत्या की घटना की जांच के लिए किया जाता है।₹ आदेश के अनुसार समिति के सदस्यों में उच्च शिक्षा विभाग के महाविद्यालय निदेशक डॉ. शेख एजाज बशीर, उच्च शिक्षा विभाग के उप सचिव संजय कुमार टिक्कू (जेकेएएस) और उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव सैयद इशरत परवेज शामिल हैं। एक अन्य सरकारी आदेश के अनुसार जांच लंबित रहने तक एक सहायक प्रोफेसर को भी निलंबित कर दिया गया है। आदेश में लिखा है, ₹मामले की जांच लंबित रहने तक, सक्षम प्राधिकारी ने आदेश दिया है कि डोडा स्थित सरकारी डिग्री कॉलेज के सहायक प्रोफेसर (वाणिज्य) मंजूर अहमद को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है और वे अगले आदेश तक जम्मू-कश्मीर के कॉलेज निदेशक कार्यालय से संलग्न रहेंगे।₹

कुआं खोदने के दौरान तीन श्रमिकों की मौत

कार्बी आंगलोंग (असम) : कार्बी आंगलोंग जिला मुख्यालय शहर डिफू के डिमासा इलाके में कुआं खोदने के दौरान तीन श्रमिक की मौत हो गई । पुलिस ने बुधवार को बताया कि जिले के डिफू डिमासा सालेम टीस गांव में कुआं खोदने के दौरान तीन श्रमिकों की दम घुटने की वजह से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अग्निशमन और एसडीआरएफ की मदद से कुआं से तीनों श्रमिकों का शव बाहर निकाला। मारे गए श्रमिकों की पहचान टीस तेरांग, हरि तैरन और लंसदर तेरांग के रूप में की गई है। पुलिस सभी शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है ।

स्पेन में ट्रेन हादसा एक की मौत, 37 घायल

एजेंसी

मैड्रिड (स्पेन) : स्पेन में एक सप्ताह के भीतर हुए दूसरे रेल हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार को स्पेन के बार्सिलोना शहर के पास गेलिडा में हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, यह ट्रेन देश के उत्तर-पूर्व में गेलिडा और सैंट सैडर्नी डी'एनोइया नगर पालिका के मध्य चलती है। रोजाना हजारों लोग इस गाड़ी का प्रयोग करते हैं।

अमेरिकी चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा स्पेन में पिछली रेल दुर्घटना के ठीक दो दिन बाद हुआ। दक्षिणी कॉडोबा प्रांत के अदामुज के पास दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकरा गईं थीं, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार को ट्रेन हादसा आर 4 लाइन पर हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार भारी बारिश की वजह से सुरक्षा दीवार पटरियों पर गिर गई थी। इस वजह से यह ट्रेन फिसलकर पटरी से उतर गई। ट्रेन ऑपरेटर के बयान के अनुसार, यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 10:00 बजे हुई। स्पेन के अखबार एल पेइस के अनुसार, रविवार को अदमूज (कोडोबा) में दो हाई-स्पीड ट्रेनों के पटरी से उतरने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिविल गार्ड और अंडालूसी आपातकालीन सेवाओं के सूत्रों के अनुसार, 38 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। मलागा से मैड्रिड जा रही एक इर्यो ट्रेन शाम 7:30 बजे पटरी से उतरकर उस ट्रैक पर गिर गई जहां एक अल्विया ट्रेन 200 किलोमीटर प्रति घंटे (125 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से विपरीत दिशा में हुएलवा की ओर जा रही थी। दोनों ट्रेनों के कुल 484 यात्री प्रभावित हुए।

महिलाओं से 1500 रुपये का वादा निभाने में नाकाम रही कांग्रेस सरकार : डेजी ठाकुर

एजेंसी

शिमला : भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर महिलाओं से किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि 1500 रुपये मासिक सहायता की गारंटी हिमाचल की महिलाओं के साथ किया गया एक बड़ा राजनीतिक धोखा साबित हुई है। उन्होंने बुधवार को एक बयान में कहा कि कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान झूठे वादों के सहारे सत्ता हासिल की, लेकिन तीन साल बीतने के बाद भी प्रदेश की लाखों महिलाएं अपने हक के लिए सरकार से जवाब मांग रही हैं। डेजी ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मनाली विधानसभा क्षेत्र में सीमित संख्या में महिलाओं को 1500 रुपये देने की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पूरे प्रदेश की महिलाओं के साथ भेदभाव है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने साफ तौर पर यह कहा था कि हिमाचल प्रदेश की हर महिला को बिना किसी शर्त के हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। उस समय न आय सीमा की बात की गई थी और न ही किसी तरह की पात्रता तय की गई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने अपने ही वादे से कदम पीछे खींच लिए। भाजपा नेता ने कहा कि आज प्रदेश में महिलाओं की संख्या करीब 28 लाख है, जबकि सरकार केवल लगभग 80 हजार महिलाओं तक इस योजना को सीमित कर रही है। उन्होंने इसे कांग्रेस की दोहरी नीति बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जहां भी जाते हैं, वहां की महिलाओं के लिए अलग-अलग घोषणाएं करते हैं, लेकिन प्रदेश स्तर पर कोई ठोस और समान नीति लागू नहीं की जा रही है। डेजी ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार को बने लगभग तीन वर्ष हो चुके हैं, लेकिन महिलाएं आज भी 1500 रुपये की गारंटी को लेकर असमंजस में हैं। सरकार अब शर्तों और नियमों की बात कर रही है, जबकि चुनाव प्रचार के दौरान यह वादा बिना किसी शर्त के किया गया था। उन्होंने कहा कि यह केवल आंर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि महिलाओं के भरोसे और सम्मान से जुड़ा सवाल है। उन्होंने दावा किया कि अगर सरकार अपने वादे के अनुसार सभी महिलाओं को 1500 रुपये देती, तो अब तक हजारों करोड़ रुपये की राशि बनती है, जिसे सरकार नजरअंदाज कर रही है।

बंगाल में कम हो रहा ठंड का असर, सरस्वती पूजा तक रहेगा शुष्क मौसम

एजेंसी

कोलकाता : माघ महीने की शुरूआत के साथ जिस कड़ाके की ठंड की उम्मीद की जाती है, वह इस बार नदारद नजर आ रही है। राजधानी कोलकाता समेत पूरे दक्षिण बंगाल में तापमान में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई है और शीत का प्रभाव काफी कमजोर पड़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को कोलकाता का न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक है। वहीं अधिकतम तापमान भी बढ़कर 26.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। विभाग का पूवार्नुमान है कि सरस्वती पूजा तक तापमान में इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी। राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा और किसी भी हिस्से में बारिश की संभावना नहीं है।हालांकि सुबह और शाम हल्की ठंड का एहसास बना रहेगा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही धूप की तीव्रता बढ़ेगी। अगले कुछ दिनों में तापमान में और मामूली वृद्धि हो सकती है। राज्य के पश्चिमी जिलों और उत्तर बंगाल के पर्वतीय इलाकों को छोड़ दें तो अधिकांश हिस्सों में ठंड का असर कम हो चुका है। दक्षिण बंगाल में अगले कुछ दिनों में तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ सकता है। कोलकाता में न्यूनतम तापमान लगभग 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। पश्चिमी जिलों में रात का तापमान 10 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सुबह के समय कोलकाता सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है।

बांग्लादेश के सुंदरबन में समुद्री डाकुओं का डेरा, दहशत में मछुआरे

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश की 1320 किलोमीटर की समुद्री सीमा पर स्थानीय मछुआरों के लिए सुंदरबन में घुसना आसान नहीं है। यहां समुद्री डाकुओं (समुद्री दस्युओं) के दर्जनों गिरोह पहुंच चुके हैं। यह डाकू मछुआरों को कथित तौर पर परमिट जारी करते हैं। इसके एवज में मोटा पैसा लेते हैं। बांग्लादेश तट रक्षक बल ने इस नए खतरे का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन तेज कर दिए हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मछुआरों का कहना है कि पैसा न देने पर उनका अपहरण कर लिया जाता है। इस दौरान यातना दी जाती है। फिर फिरौती देने पर ही छोड़ा जाता है। इससे बचने के लिए वह समुद्री डाकू समूहों के तथाकथित टोकन लेने के लिए मजबूर हैं। बताते हैं कि 2017 में बड़े पैमाने पर समुद्री डाकुओं के आत्मसमर्पण के बाद यह प्रथा काफी हद तक खत्म हो गई थी। मगर पांच अगस्त, 2024 को राजनीतिक अशांति के बाद फिर से सुंदरबन में डाकू सक्रिय हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुंदरबन से सटे सतखिरा, बागेरहाट और खुलना जिलों के जंगलों में 10 से ज्यादा समुद्री डाकू समूह सक्रिय हैं। यह डाकू कथित तौर पर मछुआरों को समानांतर परमिट जारी करते हैं। इनका परमिट टोकन होता है। यह टोकन तय पैसा लेने के बाद दिया जाता है। इस टोकन के बाद ही मछुआरों को बेखौफ होकर खास इलाकों से गुजरने की इजाजत मिलती है। कुछ मछुआरों ने बताया कि टोकन अकसर एक खास सीरियल नंबर वाला करेंसी नोट होता है। उसपर समुद्री डाकू समूह मछुआरे के नाम लिख देते हैं। इस टोकन को जंगल में घुसते समय पास में रखना होता है। एक मछुआरे ने पहचान न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अगर कोई दूसरा डाकू समूह पकड़ लेता है तो टोकन का कोई मतलब नहीं रह जाता। उस समूह से भी टोकन खरीदना पड़ता है। उसने बताया कि दो महीने पहले डाकुओं के डॉन समूह ने उसे अगवा कर लिया था और दो दिनों तक बंधक बनाकर रखा था। परिवार ने उसे छुड़ाने के लिए 40,000 टका का इंतजाम किया था। साल 2017 में आत्मसमर्पण करने वाले समुद्री दस्यु आलम सरदार ने टोकन प्रथा की पुष्टि की। आलम अब सामान्य जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹अगर कोई मछुआरा टोकन दिखाता है, तो समुद्री डाकू उसे जाने देते हैं। इसके बिना, उन्हें अपहरण का खतरा होता है। हर समूह अपना अलग नियम होता है।₹ बताया गया है कि मछुआरे से टोकन के बदले 10,000 से 50,000 टका वसूले जाते हैं। बिना टोकन के सुंदरबन में चोरी-छुपे घुसने वाले मछुआरे अगर इनके हत्थे चढ़ गए तो 20,000 से 200,000 टका लेकर ही छोड़ा जाता है। आलम सरदार ने कहा कि कुछ सक्रिय समुद्री डाकू पांच अगस्त की अशांति के दौरान पुलिस स्टेशनों से लूटे गए हथियारों से लैस हैं।

सराफा बाजार में रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में रोज नए रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी है। आज भी सराफा बाजार में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज शुरूआती कारोबार में 3,250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,520 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी छलांग है। कीमत में आई तेजी के कारण सोना और चांदी ने आज एक बार फिर नए शिखर पर पहुंच कर कारोबार कर रहे हैं। सराफा बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,770 रुपये से लेकर 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,310 रुपये से लेकर 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,20,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,920 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में जोरदार तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,37,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

48 घंटे में 3.2 डिग्री बढ़ गया तापमान

जमशेदपुर : मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है और मात्र 48 घंटे में ही न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री बढ़ गया है। न्यूनतम तापमान बुधवार को 13.2 डिग्री हो गया है। जबकि सोमवार की सुबह यह न्यूनतम तापमान मात्र 10 डिग्री था। वहीं अधिकतम तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री था। वहीं बुधवार को भी अच्छी धूप हुई है और अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री से अधिक रहने का अनुमान है।

डीपीएस स्कूल में 10वीं के छात्रों को दी गई विदाई

चक्रधरपुर : दिल्ली पब्लिक स्कूल(डीपीएस) में 10वीं के छात्रों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद जोबा माझी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुई। उन्होंने फीता काट कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।मौके पर स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वहीं कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के साथ साथ अभिभावक और शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

चाईबासा स्टैंड पर चला सड़क सुरक्षा अभियान

जमशेदपुर : सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत बुधवार को आरपीएफ के जवानों और विभिन्न विभागों के रेल कर्मचारियों के साथ टाटानगर स्टेशन के बाहर चाईबासा बस स्टैंड पर राइट्स (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस) द्वारा ऑटो चालक एवं अन्य वाहन सवार को यातायात नियम के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता अभियान में स्टेशन निदेशक सुनील कुमार, आरपीएफ के इंस्पेक्टर राकेश मोहन, स्टेशन अधीक्षक राकेश कुमार, वाणिज्य विभाग के चंदन कुमार, हेल्थ विभाग से महराज महतो समेत अन्य रेल कर्मचारियों ने भाग लिया।

मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी को लेकर हुई समीक्षा बैठक

जमशेदपुर : एमजीएम मेडिकल कॉलेज सहित राज्य के अन्य मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी में उपयोग होने वाले कोहा एप एवं अन्य लाइसेंस को लेकर बैठक की गई। इस बैठक में जैप आईटी के निदेशक सहित अन्य मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं अधिकारी शामिल हुए।

जल्द उपायुक्त कर सकते हैं एमजीएम अस्पताल की समीक्षा

जमशेदपुर : एमजीएम अस्पताल के व्यवस्था की समीक्षा जल्द ही उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी करेंगे। उपायुक्त पिछले दिनों समीक्षा के लिए तिथि तय किए थे लेकिन आवश्यक कार्यों में व्यस्त हो जाने के कारण समीक्षा बैठक नहीं हो सकती थी। इसलिए जल्दी ही समीक्षा बैठक की नई तिथि जारी की जाएगी। इस समीक्षा बैठक में उपायुक्त द्वारा पहले दिए गए निदेर्शों का पालन हुआ है या नहीं इसके अलावा अस्पताल की व्यवस्था में क्या-क्या सुधार किया गया है और कहां सुधारने की जरूरत है।

सदर अस्पताल में 22 को डॉक्टर का होगा साक्षात्कार

जमशेदपुर : सदर अस्पताल परिसर में नए खुले प्रीफैबरीकेटेड अस्पताल में जल्द ही डॉक्टर की नियुक्ति होगी। इसके लिए 22 जनवरी को साक्षात्कार लिया जाएगा। फिलहाल कुल 13 डॉक्टरों की नियुक्ति होनी है जिसमें से सात लोग पहले चरण में हुए साक्षात्कार में चयनित हुए हैं जबकि दूसरे चरण में कुल 6 डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी। सिविल सर्जन द्वारा इस संबंध में विज्ञापन निकाला गया है और आवेदन आमंत्रित किया गया है जिसके आधार पर अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा।

सब जूनियर नेशनल के लिए राज्य स्तरीय कबड्डी प्रशिक्षण शिविर शुरू

जमशेदपुर : महाराष्ट्र के पुणे में होने वाली सब जूनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए ईस्ट सिंहभूम कबड्डी एसोसिएशन द्वारा राज्य स्तरीय लड़कों का प्रशिक्षण शिविर बुधवार से शुरू हो गया। यह शिविर 27 जनवरी तक कदमा स्थित मंगल सिंह क्लब में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में झारखंड के विभिन्न जिलों से चयनित 20 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिनमें से 12 का अंतिम चयन होगा। चयनित खिलाड़ी 28 जनवरी 2026 को रांची से पुणे रवाना होंगे। प्रशिक्षण पूर्व टाटा स्टील प्रशिक्षक तिलक राम साहू, शिवप्रसाद जांगहेल और एनआईएस कोच जसवंत साहू की देखरेख में दिया जा रहा है।

हीरापुर दुर्गा मंदिर प्रांगण की जमीन ट्रस्ट की, बैनर लगाकर कब्जे की साजिश

धनबाद : दुर्गा मंदिर रिलीजियस एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को हीरापुर दुर्गा मंदिर में प्रेस वार्ता कर प्रांगण के सामने स्थित जमीन को लेकर उठे विवाद पर अपनी बात रखी और लगाए गए सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि बीते दिनों कुछ अज्ञात लोगों की ओर से मंदिर प्रांगण के सामने स्थित जमीन पर एक बैनर लगाया गया था और खाटू श्याम जी की तस्वीर जमीन पर रखी गई थी। ट्रस्ट के अनुसार धार्मिक आस्था और स्थल की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मंदिर समिति के सदस्यों ने भगवान की तस्वीर को सम्मानपूर्वक सामने स्थित ट्रस्ट के ओर से स्थापित हनुमान मंदिर में स्थापित कर दिया और वहां लगाए गए अस्थायी बैनर को हटा दिया।
ट्रस्ट का कहना है कि बैनर हटाए जाने के बाद कुछ अज्ञात लोगों ने इसका विरोध किया। इसको लेकर अनावश्यक विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। बताया कि जिस जमीन को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है, वह दुर्गा मंदिर रिलीजियस एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की वैध संपत्ति है। यह जमीन झरिया के राजा ने मंदिर को वर्षों पहले दान में दी थी। प्रेस वार्ता में ट्रस्ट के सचिव डॉ प्रियदर्शी गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष नित्यव्रत दे (कालू दे), सैकत सरकार, अभिनंदन विश्वास, हारू दे, आशीष सरकार, नारायण सरकार, सूरज भान गुप्ता, स्वपन दे, बाबू, राजा मुखर्जी एवं ट्रस्ट के सभी महिला सदस्य उपस्थित थीं।

डिजिटल अरेस्ट कर साढ़े दस लाख रुपए ठगने वाले को एमपी से दबोचा

धनबाद : व्हाट्सएप कॉल पर डिजिटल अरेस्ट कर 10 लाख 50 हजार रुपए ठगने वाले को धनबाद पुलिस ने मध्य प्रदेश (एमपी) से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम अरुण अहिरवार (26 वर्ष) है। वह हाजीपुर, थाना सिरोंज, जिला विदिशा, मध्य प्रदेश का रहनेवाला है। मंगलवार को ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने साइबर थाना में प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले आठ जनवरी को गादी टुंडी के रतनपुर के रहनेवाले सेबेस्टियन होरो को साइबर अपराधी ने व्हाट्सएप कॉल में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर उनसे कुल 10 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली थी।सभी पैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए थे।

गढ़वा में हाथियों का तांडव, बकरी चराने गई बुजुर्ग महिला को हाथी ने कुचला

संवाददाता

गढ़वा : जिले के एक गांव में हाथियों के झुंड का तांडव देखने को मिला। झुंड ने गांव की एक 60 वर्षीय महिला को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया, जिसके बाद से चिनियां क्षेत्र के जंगली इलाके में खौफ का माहौल है। लगातर क्षेत्र में घट रही घटना से ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है।

महिला का जंगल में हुआ हाथी से सामना

जानकारी के अनुसार, जीरवा देवी अपने पड़ोस की एक किशोरी के साथ गांव से सटे जंगल में बकरी चराने गई थीं। देर शाम बकरी चराकर लौटने के दौरान अचानक जंगल में हाथी से सामना हो गया।

हाथी ने जीरवा देवी पर हमला कर उन्हें बेरहमी से कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद साथ गई किशोरी जान बचाकर जंगल से भागी और गांव पहुंचकर ग्रामीणों को घटना की सूचना दी।

चिनियां क्षेत्र में डर और भय का माहौल : सूचना मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की खबर आग की तरह आसपास के इलाकों में फैल गई। मौके पर सीदे गांव, वन समिति अध्यक्ष ने तुरंत चिनियां वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम एवं हाथी दल रात में ही जंगल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर देर रात चिनियां वन कार्यालय लाया गया। घटना के बाद पूरे चिनियां थाना क्षेत्र में डर और भय का माहौल है। मुखिया का कहना है कि हाथी लगातार जानमाल का नुकसान कर रहे हैं लेकिन उन्हें क्षेत्र से भगाने के लिए अब तक कोई ठोस और स्थायी पहल नहीं की गई है। विधायक ने मुआवजा राशि पर उठाए सवाल

इधर विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने इस मामले पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि विभाग ऐसा काम करे कि हाथी को रिहायशी इलाके में न जाना पड़े। आज तो विभाग एक जान के बदले चार लाख उसकी कीमत मुआवजा के रूप में लगा रहा है, जबकि 20 लाख मुआवजा होना चाहिए था। हालांकि घटना के बाद वन विभाग की टीम तुरंत पहुंची और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया लेकिन जंगली हाथियों के स्थायी समाधान पर सवाल जस का तस बना हुआ है, जबकि वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को 50 हजार की नगद सहायता राशि दी गई है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर केतुंगाधाम में 45वां स्थापना दिवस मना

विधालय वार्षिकोत्सव में रंगारंग प्रस्तुतियों से बच्चों ने दर्शकों का मन मोहा

संवाददाता

बानो : प्रखंड क्षेत्र के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, केतुंगाधाम विद्यालय में गुरुवार को 45वां स्थापना दिवस सह वार्षिकोत्सव एवं मातृ सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वनवासी कल्याण केंद्र के शिक्षा प्रमुख सुभाष चंद्र दुबे, बाल गोविंद पटेल (इफ्ठ) एवं प्रदेश प्रवर्तन प्रमुख संजय वर्मा,भाजपा प्रखंड अध्यक्ष बालगोविंद सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।इसके पश्चात छात्राओं ने भावपूर्ण सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया।मंच संचालन विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य बधनु केरकेट्टा और मनोज गोस्वामी ने किया।इससे पूर्व विद्यालय के विद्यार्थियों ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से

भव्य स्वागत किया। वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने पारंपरिक एवं आधुनिक नृत्य, गीत, लघु नाटकों सहित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। बोध वर्ग से लेकर कक्षा 10 वीं तक के भैया-बहनों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विशेष रूप से ह्लझारखंड वाला ठुमकाह्व नृत्य ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोचे मुंडा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, संस्कारों और आत्मविश्वास का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में अभिभावकों की भी सक्रिय सहभागिता रही, जिन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर एलिस संस्थान के निर्देशक विमल कुमार, बीआरसी कार्यालय बालगोविंद पटेल, बानो भाजपा मंडल अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह, रोहित साहु, कृष्ण सिंह, लखेश्वर पंडा, महावीर सोनी, अभिषेक कुमार साहु, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुकरा केरकेट्टा, शिक्षक गौरव गोस्वामी, केतुंगाधाम मंदिर के संरक्षक मनोज गोस्वामी, शिक्षिकाएं रेणु गोस्वामी, अंजली कुमारी, शकुंतला सिंह, प्रेमलता केरकेट्टा, निराली बागे, रेखा तिर्की एवं अविनाश पंडा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

हजारीबाग की आंगनबाड़ी सेविका मीना देवी को मिला दिल्ली से न्यौता

गणतंत्र दिवस परेड समारोह में होंगी शामिल

संवाददाता

हजारीबाग : इन दिनों राष्ट्रीय स्तर पर हजारीबाग की खूब चर्चा हो रही है। हजारीबाग के सुदूरवर्ती दारू प्रखंड की दारुडीह की रहने वाली मीना देवी के बेहतर काम से प्रभावित होकर उन्हें गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। अब उनका पूरा परिवार और गांव इस बात को लेकर गर्व महसूस कर रहा है कि बेहतर काम का बेहतर परिणाम सामने आया है।

आंगनबाड़ी में बच्चों को पढ़ाती हैं मीना देवी

मेहनत से किए हुए काम का परिणाम भी खूबसूरत होता है। जिसका उदाहरण हजारीबाग के दारुडीह निवासी आंगनबाड़ी सेविका मीना देवी हैं। मीना देवी आंगनबाड़ी में बेहतर काम करती हैं। वह बच्चों की बेहतर तरीके से देखभाल, पोषण और उन्हें पढ़ाती हैं, जिसकी वजह से वो दिल्ली जा रही हैं। मीना देवी, सरकारी खर्च पर पहली बार दिल्ली जा रही हैं।

दरअसल, मीना देवी पति प्रकाश

कुशवाहा का उत्कृष्ट कार्य के लिए 26 जनवरी को दिल्ली में गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चयन हुआ है।

मीना देवी के दिल्ली जाने पर स्थानीय लोगों ने जताई खुशी

मीना देवी को स्थानीय लोगों ने बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और लगन से काम करने वालों को उनकी मेहनत का फल जरूर मिलता है। इसलिए अपने कार्य को पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए। यह मीना देवी ने कर दिखाया है। पंचायत से किसी का देश के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए चयन होना गर्व की बात है। आंगनबाड़ी में मीना देवी की सहायिका सुनिता देवी बताती हैं कि उन्हें बड़ी खुशी हो रही है कि परेड देखने दिल्ली जा रही हैं। मेहनत को जब सम्मान मिलता है तो इसकी खुशी और दोगनी हो जाती है। कुछ यही स्थिति मीना देवी की है।

मीट- चिकेन दुकानों का निरीक्षण, सात दुकानों को नोटिस

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा मीट कारोबार के लिए पारित आदेश के प्रवर्तन के क्रम में आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री अभिषेक आनंद द्वारा नेरो पहाड़ी, डोमचांच स्थित मीट एवं चीकन दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकान के पास नगर पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) एवं फूड लाइसेंस नहीं पाया गया। सभी दुकानों में खुले में एवं अस्वच्छ तरीके से मीट बिक्री की जा रही थी। इस क्रम में कुल सात दुकानों को नोटिस निर्गत किया गया। सभी दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत फूड लाइसेंस एवं नगर निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर, निर्धारित नियमों का पालन करते हुए मीट-चीकन दुकान का संचालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही दिनांक

21।1।2026 को सदर अस्पताल कोडरमा के खाद्य सुरक्षा कार्यालय में बैठक आयोजित कर सभी मीटह्न चीकन दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत नियमों की जानकारी दी जाएगी तथा अनुपालन हेतु समय प्रदान किया जाएगा। निर्धारित समयावधि के पश्चात यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा अभिषेक आनंद, डोमचांच थाना के पुलिस अवर निरीक्षक सुबोध कुमार पाठक, जिला परामर्शी दीपेश कुमार, कोडरमा थाना के आरक्षी सुनील कुमार एवं आरक्षी कपिल देव प्रसाद उपस्थित थे।

डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मना पराक्रम दिवस

जमशेदपुर : डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एनएसएस यूनिट-1 एवं सोशल साइंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पराक्रम दिवस का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन एंकर नंदिनी एवं आकांक्षा ने प्रभावशाली ढंग से किया। हिंदी भाषण प्रज्ञा तथा अंग्रेजी भाषण अमृता द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुति रोहित एवं रवि ने दी, जबकि कविता पाठ अंजलि एवं रश्मि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रानी झाँसी रेजिमेंट के विभिन्न चरित्रों का सजीव मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। नेताजी की भूमिका में परिमल पॉल ने विशिष्ट पहचान बनाई। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पूनम कुमारी द्वारा कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की गई थी जिसमें छात्रों द्वारा नेताजी पर डाक्यूमेंट्री तथा रानी झांसी रेजीमेंट की वीरांगनाओं की प्रस्तुति सराहनीय थी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ जूही समर्पिता,ने अपने संबोधन में आजाद हिन्द फौज के गौरवशाली इतिहास, तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तिगत जीवन के अनछुए पहलुओं को साझा करते हुए विद्यार्थियों को देशभक्ति, त्याग और अनुशासन के मूल्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम की सफलता में उप-प्राचार्य, डॉ मोनिका उप्पल, सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन एवं सह-सचिव सुधा दिलीप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी शिक्षकों एवं सहायक कर्मचारियों के सार्थक प्रयासों से पराक्रम दिवस का आयोजन गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ।

क्षेत्रीय मलेरिया पदाधिकारी स्वास्थ्य केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : क्षेत्रीय मलेरिया पदाधिकारी डॉ श्यामा किशोर कान्त द्वारा आज स्वास्थ्य केंद्रों और फील्ड कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। जिसके पश्चात जिला भी।बी।डी। कार्यालय में डॉ श्याम किशोर कान्त की अध्यक्षता में एव भी।बी।डी पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार की उपस्थिति में आगामी को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई । इस बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में फाइलेरिया उन्मूलन एव अन्य वेक्टर-जनित रोगों के नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियानों की प्रगति का आकलन करना था। यह सुनिश्चित किया गया कि आगामी टऊअ- क्लअ 2026 में डीईसी, एल्बेंडाजोल, आइवरमेक्टिन की दवा की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता हो एवं इसके एक्सपायरी डेट की जांच और उनके सही रखरखाव का अवलोकन किया गया हैकक्षेत्र के प्रत्येक घर का नक्शा और जनसंख्या के अनुसार दवा वितरण की रणनीति, दुर्गम क्षेत्रों और हाई-रिस्क क्षेत्रों के लिए विशेष योजना (माइक्रोप्लानिंग) ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर (दवा खिलाने वाले) और सुपरवाइजर की ट्रेनिंग, दवा खिलाने की रणनीति अर्थात खाली पेट दवा नहीं और ह्लसामने बैठकर खिलाई जाए जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई क फील्ड वर्करों द्वारा एकत्र किए

गए आंकड़ों की शुद्धता और समय पर पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, साथ ही ग्रामीण और संवेदनशील क्षेत्रों में जन-जागरूकता फैलाने के लिए 'आईईसी' गतिविधियों को बढ़ाने का निर्णय लिया गया। जैसे प्रचार-प्रसार के लिए माइकिंग, पोस्टर, और दीवार लेखन ,स्कूलों और सामुदायिक बैठकों के माध्यम से लोगों को दवा खाने के लिए प्रेरित करना जैसी गतिविधियां करना। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय मलेरिया पदाधिकारी ने कहा, हमारा लक्ष्य केवल आंकड़ों को पूरा करना नहीं, बल्कि क्षेत्र को रोग मुक्त बनाना है। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मियों को टीम भावना के साथ काम करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना होगा। इस बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक महेश कुमार, जिला भी।बी।डी। सलाहकार कृष्ण कांत मणि शंभू कुमार,ऋड ललन कुमार पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि क्षेत्रीय मलेरिया कार्यालय से आए प्रतिनिधियों का समूह एवं कर्मचारी उपस्थित थे।